संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 103
पृष्ठ 8
बुधवार
31 दिसम्बर 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य- 1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नई स्टडी में खुलासाः कम स्पर्म....
विचार- भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप ...
खेल- क्या हार्दिक पांड्या की टेस्ट क्रिकेट...

भारत के विकास की कहानी स्थिरता और विश्वसनीयता से बनी : पीएम मोदी

● पीएमओ इंडिया ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पोस्ट को कोट करते हुए लिखा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि लेबर कोड से लेकर व्यापार समझौतों और ऊर्जा एवं बाजार सुधारों तक भारत के विकास की कहानी स्थिरता, विश्वसनीयता और लंबी अवधि के विश्वास से बनी है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पीएमओ इंडिया ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की पोस्ट को कोट करते हुए लिखा, "केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025 पर लेख लिखा है। वह शासन की उस शांत, संचयी प्रक्रिया के बारे में बताते हैं जिसके द्वारा सप्ताह दर सप्ताह आने वाली बाधाओं को दूर किया गया।"

निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है

अपने आर्टिकल में, केंद्रीय मंत्री पुरी ने बताया कि कैसे पीएम मोदी सरकार के सुधारों से व्यापार करने में आसानी हो रही है और निवेशकों का भरोसा बढ़ रहा है। उन्होंने "रिफॉर्म एक्सप्रेस 2025" को लगातार गवर्नेंस के मिले-जुले असर के तौर पर बताया, जहां बाधाओं को अचानक, बड़े बदलावों के बजाय सामान्य तरीके से दूर किया जाता है।

नरेंद्र मोदी की स्थिर लीडरशिप सबसे अलग दिखती है

पुरी ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता वाले अनिश्चित वैश्विक माहौल में, नरेंद्र मोदी की स्थिर लीडरशिप सबसे अलग दिखती है। उन्होंने बताया था कि लेबर कोड, बड़े ट्रेड एग्रीमेंट, सिक्योरिटीज मार्केट कोड बिल और इंडियन पोर्ट्स एक्ट 2025 जैसे अहम कदम लंबे समय तक चलने वाले आर्थिक विकास के लिए एक मजबूत आधार बना रहे हैं।

पुरी ने कहा-शांति बिल भारत के सिविल न्यूक्लियर फ्रेमवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम

केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि शांति बिल भारत के सिविल न्यूक्लियर फ्रेमवर्क को आधुनिक बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। पुरी के अनुसार, यह सुधार पुराने कानूनों को खत्म करने, छोटे अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करने, लेबर कंप्लायंस को आधुनिक बनाने, मार्केट की निगरानी को मजबूत करने, व्यापार प्रक्रियाओं को डिजिटाइज करने, लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने और लंबे समय के एनर्जी निवेश में जोखिम को कम करने के एक साफ पैटर्न का पालन करते हैं।

एआई और डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा साल 2025 : योगी

● निवेश तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को वर्ष 2026 को राज्य के लिए एक अहम साल बताते हुए कहा कि वर्ष 2025 को टेक्नोलॉजी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और डेटा-संचालित नवाचार में नए मानक स्थापित करने के लिए याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि वे वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें और अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने योगी की पातीश शीर्षक से पोस्ट की गई अपील में कहा, यह आंग्ल वर्ष 2026 में प्रवेश का समय है। 2025 का वर्ष टेक्नोलॉजी, एआई व डेटा में नवाचार के नए मापदंड स्थापित करने के लिए स्मरण किया जाएगा। उत्तर प्रदेश भविष्योन्मुखी विकास के नए मानक गढ़ रहा है। प्रदेश के डिजिटल भविष्य को दिशा देने और निवेश का केंद्र बनाने में सरकार को आशातीत सफलता मिल रही है। उन्होंने अपनी चिट्ठी में आगे कहा, निवेश तभी सुरक्षित रह सकता है, जब समाज और राज्य सुरक्षित हों। प्रदेश में सुशासन के राज ने विश्व भर में ब्रांड यूपी को सशक्त किया है। उत्तर प्रदेश अब निवेशकों के विश्वास का राज्य बन गया है। आदित्यनाथ ने एआई तथा अन्य क्षेत्रों में अपनी सरकार की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, लखनऊ और नोएडा में एआई सिटी बसाने की तैयारी है। जेवर में 3,700 करोड़ रुपये से सेमीकंडक्टर इकाई का निर्माण हो रहा है। स्वदेशी सेंटर, सुरक्षित डेटा को ध्यान में रखकर बनी डेटा सेंटर नीति की सफलता दिखने लगी है। पांच हाइपरस्केल डेटा सेंटर पार्क का व्यावसायिक उपयोग प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा, डेटा सेंटर क्षेत्र में 30 हजार करोड़ के निवेश का लक्ष्य है। नौ शहरों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क स्थापित किए गए हैं। ड्रोन, रोबोटिक्स और मोबाइल उत्पादन में भी हम नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं।

'एआई प्रज्ञा' के माध्यम से 10 लाख नागरिकों को एआई प्रशिक्षण दिया जा रहा है। हजारों नई नौकरियां सृजित हो रही हैं। मुख्यमंत्री ने युवाओं से अपील करते हुए कहा, मैं चाहूंगा कि मेरे युवा साथी वर्ष 2026 के लिए एक विशेष संकल्प लें। आप अपने आसपास पांच बच्चों को कंप्यूटर और एआई के विषय में जागरूक करें। हर सप्ताह कम से कम एक घंटा ज्ञानदान के लिए निकालें। उन्होंने कहा, सरकार और आपका प्रयास संयुक्त रूप से न केवल विकसित उत्तर प्रदेश के सपने को पूरा करेगा, अपितु उत्तर प्रदेश को विज्ञान-प्रौद्योगिकी की वैश्विक राजधानी के रूप में स्थापित करने में भी सहायक होगा।

ममता का अमित शाह पर तीखा हमला, बंगाल में सियासी महाभारत

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्री अमित शाह पर करारा जवाब दिया, जिन्होंने टीएमसी सरकार की तुलना ष्भय और भ्रष्टाचारष से की थी और उन पर सीमा बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करने का आरोप लगाया था। ममता बनर्जी ने जवाब में भाजपा नेताओं की तुलना महाभारत महाकाव्य के पौराणिक पात्रों दुर्योधन और दुशासन से की। शाह के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि टीएमसी सरकार ने पेट्रापोल और अंडाल में बाड़ लगाने के लिए जमीन दी थी। एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 14 साल पहले की स्थिति याद कीजिए, लोग डरे हुए थे। बांकुरा के लिए बहुत विकास कार्य किए गए और जल संकट को दूर करने के लिए बहुत कुछ किया गया। चुनाव आ गए हैं और एसआईआर के नाम पर लोगों को परेशान किया जा रहा है। टीएमसी नेता ने आगे कहा कि बंगाल में दुशासन आ गया है। चुनाव आते ही दुशासन और दुर्योधन प्रकट होने लगते हैं। यह शकुनी का शिष्य दुशासन है, जो सूचना जुटाने आया है। आज वे कह रहे हैं कि ममता बनर्जी ने जमीन नहीं दी। अगर मैंने जमीन नहीं दी होती तो क्या होता? पेट्रापोल में जमीन किसने दी? आंदल में जमीन किसने दी? जबकि केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि पश्चिम बंगाल की सीमा से घुसपैठ राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है, ममता बनर्जी ने पलटवार करते हुए कहा कि वे कहते हैं कि प्रवासी केवल बंगाल से आते हैं। अगर ऐसा है, तो क्या आपने पहलगाम में हमला करवाया था? दिल्ली में हुई घटना के पीछे कौन था? भ्रष्ट भाजपा पार्टी। वे सर के नाम पर लोगों को परेशान कर रहे हैं। केवल आप और आपका बेटा खाएंगे, और हम उपदेश सुनते रहेंगे। पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची का विशेष गहन संशोधन और प्रवासियों का आगमन गरमागरम मुद्दे बन गए हैं, जिन्हें राज्य में आगामी 2026 विधानसभा चुनावों में मुद्दा बनाया जा सकता है।

जनजातीय समाज सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहकर आधुनिक शिक्षा और तकनीक को अपनाए : मुर्मू

गुमला, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को झारखंड के गुमला जिले के रायडीह प्रखंड में अंतरराज्यीय जन-सांस्कृतिक समागम 'कार्तिक जतरा' में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने जनजातीय समाज की अस्मिता और विरासत को संरक्षित रखने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रपति मुर्मू ने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़े रहते हुए आधुनिक शिक्षा, विज्ञान और तकनीक के माध्यम से आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि शिक्षा विकास की सबसे बड़ी पूंजी है और इसके विस्तार-प्रसार से ही समाज तथा राज्य का समग्र विकास संभव है। झारखंड के गुमला निवासी महान जनजातीय नायक पंखराज साहेब कार्तिक उरांव की स्मृति को नमन करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि वे सभी के लिए प्रेरणास्रोत थे। उन्होंने विदेश में शिक्षा ग्रहण करने के बावजूद अपनी सोच को अपनी माटी और अपने लोगों के लिए समर्पित रखा और शिक्षा को समाज परिवर्तन का सबसे सशक्त माध्यम माना। आज उसी भावना के साथ 'कार्तिक जतरा' के माध्यम से लोग उन्हें याद कर रहे हैं, जो अपने आप में एक सार्थक पहल है। राष्ट्रपति ने कहा कि गुमला जिले में विश्वविद्यालय की स्थापना पंखराज उनका सपना था, जिसे शीघ्र साकार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा को जोड़ने वाला यह क्षेत्र नदियों, पहाड़ों, पठारों और जंगलों से समृद्ध है और देश की प्राचीनतम परंपराओं का साक्षी रहा है। भगवान बिरसा मुंडा की जन्मभूमि और कर्मभूमि झारखंड में आकर उन्हें तीर्थ यात्रा जैसा अनुभव होता है। बिरसा मुंडा आज पूरे देश में सामाजिक न्याय और जनजातीय गौरव के महान प्रतीक के रूप में सम्मानित हैं। गुमला जिले की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को रेखांकित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि महान समाज सुधारक और स्वतंत्रता सेनानी जतरा टाना भगत का जन्म भी इसी धरती पर हुआ था। उन्होंने महात्मा गांधी के आदर्शों के अनुरूप ब्रिटिश शासन के खिलाफ अहिंसक आंदोलन का नेतृत्व किया। इसके अलावा, उन्होंने 1971 के भारत-पाक युद्ध में अद्वितीय वीरता का परिचय देने वाले परमवीर चक्र विजेता शहीद एल्बर्ट एक्का को भी श्रद्धापूर्वक याद किया, जिनकी जन्मस्थली गुमला जिला है। अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने जनजातीय समुदाय की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज की संगीत, नाटक, नृत्य और कला परंपराएं अत्यंत समृद्ध हैं। यही कारण है कि देशभर से 100 से अधिक आदिवासी कलाकारों को पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया है।

मोदी ने खालिदा जिया को श्रद्धांजलि अर्पित की

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बंगलादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया के निधन पर शोक व्यक्त किया। एक्स पर एक पोस्ट में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पूर्व प्रधानमंत्री और बंगलादेश राष्ट्रवादी पार्टी की अध्यक्ष बेगम खालिदा जिया के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। उनके परिवार और बंगलादेश के सभी लोगों के प्रति हमारी हार्दिक संवेदनाएं। ईश्वर उनके परिवार को इस दुखद क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।ष बेगम जिया तीन बार बंगलादेश की प्रधानमंत्री रहीं, उन्होंने देश की राजनीति को आकार देने और भारत बंगलादेश संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रधानमंत्री मोदी ने 2015 में ढाका में बेगम जिया से हुई अपनी मुलाकात को याद करते हुए कहा, बंगलादेश की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में उन्हें बंगलादेश के विकास के साथ-साथ भारत-बंगलादेश संबंधों में उनके महत्वपूर्ण योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुझे 2015 में ढाका में उनसे सौहार्दपूर्ण मुलाकात का यादगार अवसर मिला।

असम- त्रिपुरा में बांग्लादेशी समूहों से जुड़े 11 कट्टरपंथी गिरफ्तार, पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने की रच रहे

गुवाहाटी। बांग्लादेश के कट्टरपंथी समूहों से संबंध के आरोप में असम और त्रिपुरा में 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ये सभी पूर्वोत्तर में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे थे। पुलिस के मुताबिक, विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने केंद्रीय एजेंसियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर ये गिरफ्तारियां कीं। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंत ने संवाददाताओं को बताया कि विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने केंद्रीय एजेंसियों से प्राप्त खुफिया जानकारी के आधार पर ये गिरफ्तारियां कीं। गुवाहाटी के पुलिस आयुक्त पार्थसारथी महंत ने पत्रकारों को बताया कि सोमवार की रात असम के बारपेटा, चिरांग और दरांग जिलों के साथ-साथ त्रिपुरा में एक अभियान चलाया गया। इस दारौन 11 जिहादी तत्वों को गिरफ्तार किया, जो बांग्लादेशी समूहों के आदेशों पर काम कर रहे थे। उन्होंने कहा, गिरफ्तार किए गए लोग इमाम महमूद काफिला (आईएमके) के सदस्य हैं। आईएमके, जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) का एक संगठन है, जो भारत में प्रतिबंधित है। मंहत ने बताया कि गिरफ्तार लोगों में से 10 को असम से और एक को त्रिपुरा से पकड़ा गया। इनका उद्देश्य असम और पूर्वोत्तर के बाकी हिस्सों में अस्थिरता फैलाना था। वे यहां मुस्लिम वर्चस्व स्थापित करना चाहते थे। असम से गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान नसीम उद्दीन उर्फ नजीमुद्दीन उर्फ तमीम (24), जुनाब अली (38), अफराहिम हुसैन (24), मिजानुर रहमान (46), सुल्तान महमूद (40), मोहम्मद सिद्दीक अली (46), राशिदुल आलम (28), महिबुल खान (25), शाहरुख हुसैन (22) और मोहम्मद दिलबर रजाक (26) के रूप में हुई है। वहीं, जागीर मियां (33) को त्रिपुरा से पकड़ा गया।

सीटों पर 'धोखा' : रामदास अठावले बोले-

भाजपा ने किया विश्वासघात, अकेले लड़ेंगे बीएमसी चुनाव

मुंबई, एजेंसी। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) के प्रमुख रामदास अठावले ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों के लिए सीट बंटवारे की बातचीत के दौरान उनकी पार्टी को दरकिनार करने का आरोप लगाया। मुंबई में आरपीआई की राजनीतिक ताकत पर प्रकाश डालते हुए, अठावले ने कहा कि भाजपा और शिवसेना के पुनर्मिलन ने उनकी पार्टी की संभावनाओं को प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है, और कहा कि आरपीआई को सीट बंटवारे की चर्चाओं में शामिल तक नहीं किया गया। उन्होंने दावा किया कि पार्टी को बहुत देर से सूचित किया गया कि उसे केवल छह सीटें आवंटित की गई हैं। अठावले ने एएनआई को बताया कि भाजपा और शिवसेना के गठबंधन ने आरपीआई को टिकट देने में समस्या पैदा कर दी है। रिपब्लिकन पार्टी मुंबई में एक बहुत मजबूत पार्टी है... लेकिन भाजपा ने हमें नजरअंदाज कर दिया है... चर्चाओं के दौरान हमें एक बार भी नहीं बुलाया गया। अगर आरपीआई को भाजपा-शिवसेना की चर्चाओं में बुलाया गया होता, तो हमें कुछ सीटें आवंटित की जा सकती थीं... कल रात 2 बजे हमें बताया गया कि हमें छह सीटें दी गई हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आरपीआई ने भाजपा को 26 सीटों की सूची सौंपी थी और उसे 14 से 15 सीटों के आवंटन की उम्मीद थी। उन्होंने इस परिणाम को ष्धोखाष करार दिया और घोषणा की कि आरपीआई मुंबई में 28 सीटों पर स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ेगी और अपने चुनाव चिन्ह का इस्तेमाल करेगी। अठावले ने यह भी बताया कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनसे संपर्क कर आरपीआई को छह सीटें आवंटित किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, अठावले ने कहा कि ये सीटें उनकी पार्टी द्वारा अनुरोधित सीटों में शामिल नहीं थीं और आरपीआई के इन निर्वाचन क्षेत्रों में कोई उम्मीदवार नहीं थे।

अमित शाह बोले- बंगाल को घुसपैठ मुक्त कर बदलेंगे पहचान

कोलकाता, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर अपना हमला तेज करते हुए उन पर पड़ोसी बांग्लादेश में अशांति और घुसपैठ की बढ़ती चिंताओं के बीच सीमा पर बाड़बंदी रोकने का आरोप लगाया। ये टिप्पणियां 2026 में होने वाले पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले आई हैं, जिनमें शाह ने राज्य में आक्रामक राजनीतिक रुख अपनाने का संकेत दिया है। शाह ने यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार में भ्रष्टाचार के कारण पश्चिम बंगाल का विकास रुक गया है। मोदी द्वारा शुरू की गई सभी लाभकारी योजनाएं यहां टोल सिंडिकेट की शिकार हो गई हैं। पिछले 14 वर्षों से डर और भ्रष्टाचार पश्चिम बंगाल की पहचान बन गए हैं। 15 अप्रैल, 2026 के बाद, जब पश्चिम बंगाल में भाजपा सरकार बनेगी, तब हम बंगाल की विरासत और संस्कृति को पुनर्जीवित करने का कार्य शुरू करेंगे। यह श्बंगा भूमिश हमारे लिए बहुत महत्व रखती है क्योंकि भाजपा का गठन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने किया था, जो यहां के एक बड़े नेता थे। उन्होंने कहा कि त्रिपुरा और असम में घुसपैठ रुक गई है, जबकि पश्चिम बंगाल में यह जारी है। शाह ने दावा किया कि ममता बनर्जी राजनीतिक उद्देश्यों के लिए घुसपैठ जारी रखना चाहती हैं, जिसका मकसद उनके अनुसार ष्अपना वोट बैंक बढ़ानाष है। उन्होंने कहा कि ममता, आज मैं आपसे एक सीधा सा सवाल पूछना चाहता हूं। कौन सी सरकार सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन देने से इनकार करती है? मैं खुद इसका जवाब दूंगा – यह आपकी सरकार है जो सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन नहीं देती। फिर मैं पूछना चाहता हूं कि घुसपैठिए सबसे पहले बंगाल में क्यों प्रवेश करते हैं? आपके पटवारी और पुलिस स्टेशन क्या कर रहे हैं? इन घुसपैठियों को वापस क्यों नहीं भेजा जा रहा है? क्या बंगाल सरकार यह बता सकती है कि असम और त्रिपुरा में घुसपैठ क्यों रुक गई है? यह सिर्फ बंगाल में हो रही है क्योंकि यह आपके शासनकाल में हो रहा है। आप अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बंगाल की जनसंख्या संरचना बदलना चाहती हैं।

कल्पवासियों के आगमन से संगम नगरी में जाम

प्रयागराज (संवाददाता)। संगम की रेती पर तप और साधना के लिए देश–दुनिया से आने वाले कल्पवासियों के आगमन के साथ ही संगम नगरी की सड़कों पर दबाव बढ़ गया है। सोमवार देर शाम से शुरू हुआ श्रद्धालुओं का सिलसिला लगातार जारी है। जिसके चलते शहर के मुख्य चौराहों पर भारी जाम की स्थिति बनी हुई है। इस दौरान प्रशासन ने भी रूट डायवर्जन की प्रैक्टिस की।

मेला क्षेत्र की जाने वाले मुख्य मार्गों पर बैरिकेडिंग कर लोगों डायवर्ट किया गया। इन इलाकों में रही सबसे ज्यादा परेशानी ध्श्रद्धालुओं के वाहनों और सामान से लदी ट्रैक्टर–ट्रॉलियों की लंबी कतारों की वजह से शहर के प्रमुख हिस्सों में यातायात रेंगता नजर आया। अन्दावां व चुंगीरू परेड ग्राउंड की ओर जाने वाले रास्ते पर घंटों गाड़ियां खड़ी रहीं। घ्घालुआघाट और कीड़गंजरू संगम की ओर जाने वाले इन मार्गों पर वाहनों का दबाव सबसे अधिक रहा। घसिविल लाइंस (हनुमान मंदिर चौराहा)रू यहां श्रद्धालुओं की भीड़ और स्थानीय यातायात के मिलन से घंटों जाम लगा रहा। तेलियरगंज और फाफामऊरू लखनऊ मार्ग से आने वाले कल्पवासियों की भारी संख्या के कारण फाफामऊ पुल पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गईं। नैनी और झूंसी पुलरू यमुना और गंगा पुलों पर सुबह से ही श्बंपर टू बंपरश् ट्रैफिक की स्थिति बनी रही। ट्रैफिक पुलिस ने कई रूट डायवर्जन लागू किए थे। लेकिन एक साथ हजारों वाहनों के प्रवेश ने व्यवस्था को चुनौती दे दी। कल्पवासी अपने साथ भारी मात्रा में राशन, टेंट का सामान और लड़कियां लेकर ट्रैक्टर–ट्रॉलियों से पहुंच रहे हैं, जिससे सड़कों पर जगह कम पड़ गई।

अधिवक्ता आर्या गौतम प्रयागराज विकास प्राधिकरण पैनल में शामिल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) के पैनल एडवोकेट के रूप में अधिवक्ता आर्या गौतम की नियुक्ति आधिकारिक रूप से घोषित कर दी गई है। नियुक्ति संबंधी पत्र 28 अक्टूबर को पीडीए के विधि अधिकारी द्वारा जारी किया गया, जिसमें मानीटरिंग कमेटी और उपाध्यक्ष के अनुमोदन के पश्चात अधिवक्ता आर्या गौतम को पैनल एडवोकेट के रूप में शामिल किए जाने की पुष्टि की गई है। पत्र में उल्लेख है कि अधिवक्ता आर्या गौतम पीडीए के मामलों में इलाहाबाद उच्च न्यायालय में विधिक पैरवी करेंगी और नियमानुसार निर्धारित फीस मानकों पर ही भुगतान किया जाएगा। साथ ही यह भी निर्देशित किया गया कि नियुक्ति के पश्चात आवश्यक प्रक्रिया के लिए संबंधित अधिकारी को अनुपालन करने का निर्देश दिया जाए। वहीं,

मंगलवार को जारी एक अलग विज्ञप्ति में अधिवक्ता आर्या गौतम की नियुक्ति पर बधाइयों का तांता लगा रहा। बताया गया कि आर्या गौतम पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया के अंतर्गत लीगल एडवाइजरी देने के साथ अब पीडीए के मुकदमों की वकालत का कार्य भी संभालेंगी। आर्या गौतम एक प्रतिष्ठित परिवार से आती हैं और वे वरिष्ठ अधिवक्ता विजय गौतम की पुत्री हैं, जिनका विधि क्षेत्र में महत्वपूर्ण स्थान है। नियुक्ति की जानकारी मिलते ही इलाहाबाद उच्च न्यायालय से जुड़े कई नामचीन अधिवक्ताओं दृ विनोद कुमार मिश्रा, देवेश मिश्रा, श्याम शरण, माधव पांडेय, शुभम त्रिपाठी, अनुज मोर्य, दिव्यज्योति, ईशान राहुल, सौन्दर्य गिरि, प्रद्युम्न श्रीवास्तव, शिरीष कुमार, वैभव श्रीवास्तव, रिम्पल केस्तरानी, अम्बरीश चटर्जी सहित अन्य अधिवक्ताओं ने आर्या गौतम को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। प्रयागराज विकास प्राधिकरण के अनुसार, पैनल में सक्षम और अनुभवी अधिवक्ताओं का चयन न्यायिक लड़ाइयों में संस्थान को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से किया जाता है, ऐसे में आर्या गौतम का शामिल होना पीडीए के लिए भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रयागराज में किसानों ने बिजली विभाग के खिलाफ मोर्चा खोला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के यमुनापार क्षेत्र के किसानों ने बिजली विभाग की कथित लापरवाही और बढ़ती समस्याओं के विरोध में मंगलवार को एक बड़ा कदम उठाया। दर्जनों किसान संगठन से जुड़े सदस्य लखनऊ स्थित ऊर्जा मंत्री के कार्यालय का घेराव करने के उद्देश्य से पैदल यात्रा पर निकल पड़े हैं। यह पदयात्रा मंगलवार को जसरा विकासखंड के गौहनिया तक पहुंच गई। यहां किसानों ने एकजुट होकर अपनी मांगों को दोहराया और विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। किसानों का आरोप है कि क्षेत्र में बिजली विभाग की कार्यप्रणाली से ग्रामीण उपभोक्ता परेशान हैं। उनका कहना है कि बिजली का उपयोग कम होने के बावजूद बिल अत्यधिक आ रहे हैं, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति प्रभावित हो रही है। किसानों ने गलत मीटर रीडिंग, अनुमानित बिलिंग और शिकायतों पर ध्यान न दिए जाने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि खेती पहले से ही कई चुनौतियों का सामना कर रही है, ऐसे में बढ़ते बिजली बिल उनके लिए अतिरिक्त बोझ बन गए हैं।

प्रयागराज में ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार गंभीर घायल

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज जनपद के यमुनापार क्षेत्र अंतर्गत घूरपुर थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। सरंगापुर चौराहे पर तेज रफ्तार से आ रहे एक ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना मंगलवार शाम करीब 4रू00 बजे की बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक सवार युवक सरंगापुर चौराहे से होकर गुजर रहा था, तभी अचानक तेज गति से आए ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरा और उसके सिर, हाथ व पैर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई और आसपास मौजूद लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने मानवता दिखाते हुए घायल युवक को सड़क से उठाया और बिना समय गंवाए उसे पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। डॉक्टरों के अनुसार युवक को कई जगह गहरी चोटें आई हैं और उसका इलाज जारी है।

होटल मालिक का अपहरण, 2 घंटे चलती कार में पीटा

प्रयागराज में बदमाश बोले– गुंडा टैक्स देना होगा, केशव से की शिकायत तो एफआईआर लिखी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज में होटल मालिक और उनके कर्मचारी को बदमाशों ने किडनैप कर लिया। 2 घंटे तक शहर की सड़कों पर घुमाते रहे। चलती कार में दोनों की जमकर पिटाई की। 18 किमी के दायरे में ये खेल चलता रहा।

रात 2.45 बजे किडनैप करने के बाद सुबह 5 बजे बदमाशों ने दोनों को स्टेशन के पास छोड़ दिया। ये पूरी घटना 24 दिसंबर की रात की। 25 दिसंबर की सुबह दोनों ने पुलिस को पूरे मामले की जानकारी और घर में लगे सीसीटीवी की फुटेज सौंपी।

बदमाशों से हम लोग पूछ रहे थे कि आखिर हमारी गलती क्या है? वो लोग धमकाते हुए कह रहे थे कि यहां होटल चलाना है तो गुंडा टैक्स देना होगा।

27 दिसंबर को पुलिस ने 1 आरोपी को पकड़ा, मगर एफआईआर दर्ज नहीं की। 29 दिसंबर को जब डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य प्रयागराज पहुंचे तो होटल मालिक ने पुलिस की शिकायत की। केशव के कहने बाद पुलिस हरकत में आई और आनन–फानन में एफआईआर लिख ली है।

थरवई में रहने वाले अनुज

मौर्य ने बताया– मेरा ममफोर्डगंज एरिया में हेरिटेज होटल है। 24 दिसंबर की रात करीब 2:45 बजे अरविंद दुबे और सुजीत सिंह उर्फ सुमित अपने अन्य साथियों के साथ होटल पहुंचे और वहां सो रहे कर्मचारी रितेश त्रिपाठी का अपहरण कर लिया।

आरोप है कि कर्मचारी को कार में बंधक बनाकर बुरी तरह पीटा गया और उसे झलवा की ओर ले जाया गया। वहां मुस्कान नाम की महिला और दो अन्य लोग कार में सवार हुए और सभी ने मिलकर कर्मचारी की पिटाई की। इसके बाद आरोपी रात करीब 3:45 बजे दोबारा होटल पहुंचे और अनुज मौर्य के कमरे में घुसकर उन्हें जबरन बाहर ले गए।

अनुज का कहना है– वह आरोपियों से बार–बार पूछता रहा कि गलती क्या है, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं बताया। उसे जबरन घसीटकर कार में बैठाया गया और शिवकुटी स्टेशन की ओर ले जाया गया, जहां लात–घूंसों और डंडों से पिटाई की गई। इसके बाद सुबह करीब 5 बजे अनुज और उनके कर्मचारी रितेश को हवाई चौराहे के पास छोड़कर आरोपी फरार हो गए। अनुज का आरोप है कि आरोपियों ने होटल चलाने के एवज में हर महीने 25 हजार रंगदारी की मांग की और धमकाते हुए कहा कि होटल चलाना है तो 'गुंडा टैक्स' देना होगा। साथ ही आरोप है कि अगवा करने से पहले उसके कमरे से बैग भी उठा लिया गया। अनुज का कहना है कि आरोपियों के पास कार में अवैध असलहे भी मौजूद थे।

होटल संचालक का कहना है कि उसने घटना की शिकायत 25 दिसंबर की सुबह ही कर्नलगंज थाने में दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज करने में आनाकानी की। 27 दिसंबर को पुलिस ने एक आरोपी अरविंद दुबे को गिरफ्तार भी किया, इसके बावजूद एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उच्च अधिकारियों से शिकायत करने पर 29 दिसंबर को जाकर मामला दर्ज हुआ।

घटना के बाद होटल संचालक और स्टाफ दहशत में हैं। फिलहाल केवल एक आरोपी की गिरफ्तारी हुई है, जबकि अन्य आरोपी खुलेआम घूम रहे हैं। पीड़ित का आरोप है कि पुलिस उनकी गिरफ्तारी को लेकर गंभीर नहीं है।

कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया– तहरीर के आधार पर अपहरण, मारपीट, लूट, रंगदारी और अवैध हथियार से धमकी देने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। 1 व्यक्ति को हमने अरेस्ट किया है, उससे पूछताछ की जा रही है।

प्रयागराज में नहर के पास युवक का शव मिला

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज के सोरांव इलाके में नहर की पटरी के पास एक युवक का शव मिला है। आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या की गई है। मंगलवार सुबह

पसियापुर गांव स्थित नहर के किनारे राहगीरों ने शव देखा और पुलिस को सूचना दी। मृतक की पहचान मऊआइमा थाना क्षेत्र के कस्बा (स्टेशन रोड) के रहने वाले अतुल कुमार सरोज (20) पुत्र गुलाब सरोज के रूप में हुई है। परिजनों का कहना है कि अतुल सोमवार शाम करीब छह बजे घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। इसके बाद परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। मंगलवार सुबह नहर की पटरी के पास अतुल का शव बरामद हुआ। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अतुल दो भाइयों में सबसे छोटा था और दो बहनों से बड़ा था। एसीपी सोरांव श्यामजीत प्रमिला सिंह ने बताया कि युवक का शव बरामद हुआ है। फिलहाल शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माघ मेले के लिए यूपी रोडवेज चलाएगा 3800 बसें

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेले के स्नान पर्वों पर यूपी रोडवेज ने तैयार कर ली है। इस बार कुल 3800 बसें संचालित की जाएंगी। जिसमें झूंसी से सबसे ज्यादा 2250 बसें चलेंगी। पूर्वांचल के शहरों से भारी भीड़ की उम्मीद के चलते झूंसी से गोरखपुर, देवरिया, वाराणसी, गाजीपुर, आजमगढ़, जौनपुर और अंबेडकरनगर के लिए विशेष बसें चलाई जाएंगी। इस रूट पर 100 बसें रिजर्व भी रखी गई हैं। झूंसी के बाद लेप्रोसी मिशन बस स्टेशन से 505

बसें बांदा, चित्रकूट, रीवा, सीधी, विंध्याचल और मिर्जापुर आदि के लिए रवाना होंगी। यहां 20 बसें रिजर्व में होंगी। वहीं, विद्या वाहिनी मैदान और बेला कछार से 435 बसें लखनऊ, रायबरेली, ऊंचाहार, बस्ती, अयोध्या, प्रतापगढ़ व सुल्तानपुर के लिए चलेंगी। साथ ही 50 बसें रिजर्व रहेंगी। कानपुर, कौशांबी और दिल्ली मार्ग पर नेहरू पार्क अस्थायी बस स्टेशन व विद्या वाहिनी से 410 बसें संचालित होंगी। 30 रिजर्व के साथ। रीजनल मैनेजर रविंद्र कुमार सिंह ने बताया कि स्नान पर्व पर 3800 बसें जबकि सामान्य दिनों में 1800 बसें चलेंगी। इनमें झूंसी से 870, विद्या वाहिनी से 575, लेप्रोसी मिशन से 260 और जीरो रोड से 95 बसें शामिल हैं। यात्रियों को किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए पूरी तैयारी है।

माघ मेला में हुआ किन्नर अखाड़े का भूमि पूजन, पहली बार माघ मेला में लगेगा शिविर, झूम कर नाचीं किन्नर

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेला–2026 को लेकर बुधवार को माघ मेला क्षेत्र में किन्नर अखाड़ा शिविर के लिए भूमि पूजन किया गया। श्रद्धा और विधि–विधान के साथ पूजा–अर्चना की गई। भूमि पूजन के बाद किन्नर समुदाय के लोगों ने गीत और नृत्य के साथ उत्सव मनाया।

महाकुंभ के बाद अब माघ मेला में भी किन्नर अखाड़ा अपना शिविर लगाएगा। यह शिविर सेक्टर–6, संगम लोवर, ओल्ड जीटी रोड चौराहे के पास तैयार किया गया है।

भूमि पूजन कार्यक्रम में किन्नर अखाड़ा प्रयागराज की महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरि (छोटी मां) सहित अखाड़े से जुड़े अन्य लोग मौजूद रहे।

महामंडलेश्वर कल्याणी नंद गिरि ने बताया कि शिविर में कथा, प्रवचन, पूजा–पाठ, हवन, भंडारा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि किन्नर अखाड़ा के आचार्य और शिविर व्यवस्थापक अखाड़े के संरक्षक महंत दुर्गादास महाराज हैं, जिनकी देखरेख में शिविर की सभी व्यवस्थाएं की जाएंगी।

उन्होंने यह भी जानकारी दी कि जनवरी के पहले सप्ताह में किन्नर अखाड़ा की आचार्य महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी और महामंडलेश्वर ममता कुलकर्णी प्रयागराज पहुंचेंगी।

गौरतलब है कि पिछले महाकुंभ में ममता कुलकर्णी को किन्नर अखाड़ा में महामंडलेश्वर बनाया गया था, जिसके बाद यह अखाड़ा काफी चर्चा में रहा।

होटलों में ज्यादा रेट वसूले तो होगा एक्शन

माघ मेले में ओवररेटिंग पर होगी कार्रवाई, डीएम ने होटल, रेस्टोरेंट और ढाबे वालों को दी चेतावनी

प्रयागराज (संवाददाता)। प्रयागराज माघ मेला 2026 को देखते हुए यात्रियों और श्रद्धालुओं की सुविधा सुनिश्चित करने के लिए जिलाधिकारी ने सोमवार को होटलदृरेस्टोरेंट संचालकों के साथ बैठक की। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मेले के दौरान सभी होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में सर्वसम्मति से तय दामों के आधार पर रेट लिस्ट अनिवार्य रूप से चस्पा की जाए।

उन्होंने कहा कि कमरे किराए, भोजन, पेय पदार्थ और अन्य सेवाओं के लिए निर्धारित एवं उचित मूल्य ही श्रद्धालुओं से वसूले जाएँ, किसी प्रकार की ओवररेटिंग बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

डीएम ने कहा कि माघ मेले में लाखों श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, ऐसे में भोजन की गुणवत्ता और स्वच्छता सर्वोपरि

होनी चाहिए। सभी होटल और ढाबा संचालक अपनी रसोई की जांच कराएँ और यह सुनिश्चित करें कि कहीं भी एक्सपायरी खाद्य सामग्री का उपयोग न हो।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी को निर्देश दिए गए कि ढाबों और भोजनालयों की नियमित जांच की जाए और स्वच्छता सुनिश्चित न होने या खराब गुणवत्ता मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

डीएम ने कहा, "मेला क्षेत्र में आने वाले किसी भी श्रद्धालु से अनुचित व्यवहार या अधिक पैसे वसूलने की शिकायत नहीं मिलनी चाहिए।" उन्होंने होटल संचालकों को हिदायत दी कि शिष्टाचार और सेवा भाव के साथ कार्य करें, क्योंकि प्रयागराज की छवि देशदृविदेश से आने वाले लोगों के लिए महत्वपूर्ण है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जो लोग होमस्टे सुविधा देना चाहते हैं, वे पर्यटन विभाग से संपर्क कर रजिस्ट्रेशन करवाएँ। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों को अनरजिस्टर्ड होमस्टे की जांच कराने और मानक पूरा करने वाले आवासों का पंजीकरण कराने के निर्देश दिए।

बैठक में शहर के प्रमुख स्थानों पर जाम की स्थिति और मेले के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन को लेकर भी रायदृमशविरा हुआ। व्यवसायियों ने अपने सुझाव भी दिए, जिन्हें प्रशासन द्वारा नोट किया गया। बैठक में अपर जिलाधिकारी नगर सत्यम मिश्र, खाद्य सुरक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यूपीएसआरटीसी ने शुरू की विशेष बस बुकिंग सेवा, माघ मेला में आने-जाने की बुकिंग करानी होगी, कोई अतिरिक्त चार्ज नहीं

प्रयागराज (संवाददाता)। परिवहन निगम (UPSRTC) ने

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क प्रयागराज के आसपास के जिलों से माघ मेला जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष बस बुकिंग सेवा शुरू कर दी है। इस सुविधा में कोई अतिरिक्त चार्ज या सरचार्ज नहीं लगेगा। आने–जाने के लिए बस की बुकिंग करानी होगी।

रोडवेज अधिकारियों के बताया कि बस अड्डों पर रवानगी के आधे घंटे पहले पहुंचें। वहां प्रभारी प्रबंधक या एआरएम से संपर्क कर माघ मेला की जानकारी दें। बस की सीट संख्या के बराबर यात्रियों का एकतरफा किराया जमा करने पर उतने श्रद्धालु सीधे प्रयागराज जा सकेंगे।

वापसी के लिए भी यही व्यवस्था लागू होगी। अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की बुकिंग एडवांस चार्टर से सस्ती पड़ेगी। उसमें सिक्योरिटी डिपॉजिट, रुकने का अलग चार्ज और दोनों तरफ का किराया देना पड़ता है। रोडवेज बसें माघ मेला ड्यूटी पर भेजी जाएंगी। जिनकी रवानगी 30 दिसंबर यानी आज से शुरू हो रही है।

इसके अलावा 50 ई–बसें शटल सेवा के लिए प्रयागराज भेजी जाएंगी।

प्रयागराज में कोहरे में 10-10 घंटे ट्रेन लेट, 33 हजार से अधिक यात्रियों ने टिकट कैंसिल कराया

प्रयागराज (संवाददाता)। घने कोहरे के कारण रेल संचालन बुरी तरह प्रभावित है। दिल्ली, जयपुर और लखनऊ रूट की ज्यादातर ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। जिससे यात्रियों को ठंड में परेशानियां हो रही है। ट्रेन के लगातार लेट होने की वजह से यात्री टिकट कैंसिल करवा रहे हैं। एनसीआर के प्रयागराज मंडल में एक सप्ताह में 1.20 लाख आरक्षित टिकट कैंसिल हो

चुके हैं। रेलवे को इन कैंसिल टिकटों से यात्रियों को रिफंड भी देना पड़ रहा है। जिसका बुरा असर रेलवे की कमाई पर पड़ रहा है। 22 से 28 दिसंबर तक प्रयागराज, मिर्जापुर, कानपुर, अलीगढ़, खुर्जा, टूंडला, मानिकपुर और इटावा आदि स्टेशनों पर कुल 10.76 करोड़ रुपए का रिफंड जारी किया गया। प्रयागराज जंक्शन पर ही 33,755 यात्रियों ने टिकट कैंसिल कराए। जिसमें 3.20 करोड़ का रिफंड शामिल है। इसमें ई–टिकट भी शुमार हैं। सबसे ज्यादा 18,066 टिकट 23 दिसंबर को कैंसिल हुए। मंडल के पीआरओ अमित कुमार सिंह ने बताया नियमानुसार सभी कैंसिलेशन पर रिफंड दिया जा रहा है। कोहरे के कारण ट्रेनें लेट हो रही हैं, लेकिन यात्री सुविधा प्राथमिकता है।

प्रयागराज में रेलवे के अधिकारियों की संयुक्त बैठक

प्रयागराज (संवाददाता)। माघ मेला–2026 (3 जनवरी से 15 फरवरी) के सुगम आयोजन के लिए उत्तर मध्य रेलवे तैयार है। देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के रेल मार्ग से आने को देखते हुए मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय के सभागार में आज संयुक्त बैठक हुई। उत्तर मध्य रेलवे, उत्तर रेलवे एवं पूर्वोत्तर रेलवे के अंतर्गत आने वाले प्रमुख स्टेशनों पर व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। रेलवे सुरक्षा बल

(आरपीएफ), जीआरपी, वाणिज्य और परिचालन विभाग के अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। इस दौरान माघ मेला अवधि में भीड़ प्रबंधन, यात्री सुरक्षा, स्टेशन परिसरों की सुव्यवस्था, आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की कार्ययोजना और अंतर–विभागीय समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अधिकारियों द्वारा निर्देशित किया गया कि पूर्व में आयोजित बड़े धार्मिक आयोजनों के दौरान मिले अनुभवों एवं सफल कार्यप्रणालियों का प्रभावी उपयोग माघ मेलाद्2026 में किया जाए। ताकि श्रद्धालुओं को निर्बाध, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रेल सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

बिलासपुर में ऑल इंडिया मीडियम एम एंड स्मॉल न्यूजपेपर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय दिवस राष्ट्रीय अधिवेशन का भव्य समापन

बिलासपुर, छत्तीसगढ़। आल इंडिया वमीडियम एंड स्माल न्यूज पेपर फेडरेशन के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि भारत सरकार के शहरी आवास राज्य मंत्री तोखन साहू ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने हर संभव सहयोग और मदद का आश्वासन भी दिया।

केंद्रीय राज्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ पत्रकारिता समाज की दिशा तय करता है। छोटे और मझोले समाचार पत्र जमीनी सच्चाइयों को सामने लाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं, जिसे सरकार भी गंभीरता से लेती है और भविष्य में पत्रकार हितों के संरक्षण के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

डिजिटल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया की विशासनियत बरकरार

पूजा विधानी, महापौर, बिलासपुर

बतौर विशिष्ट अतिथि ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डिजिटल मीडिया के दौर में प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और सामाजिक जिम्मेदारी पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि तेज रफ्तार डिजिटल सूचनाओं के बीच भी प्रिंट मीडिया तथ्य, संतुलन और भरोसे का मजबूत स्तंभ बना हुआ है। प्रिंट मीडिया लोकतंत्र की रीढ़ है, जो जनहित के मुद्दों को गहराई और जिम्मेदारी के साथ सामने लाता है। उन्होंने पत्रकारों से सत्यनिष्ठा, निष्पक्षता और जनसंवेदनाओं के साथ पत्रकारिता करने का आह्वान किया।

उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित हुए पत्रकार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष तरुण साहू ने स्वागत उद्बोधन देते हुए कहा कि – "मैं सभी अतिथियों, वरिष्ठ पत्रकार साथियों एवं विभिन्न प्रदेशों से पधारे प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन करता हूँ। यह कार्यक्रम पत्रकारिता की एकजुटता, गरिमा और सामाजिक दायित्व को सशक्त करने का मंच है। डिजिटल युग में भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता बनी हुई है। हमें मिलकर पत्रकारिता के मूल्यों की रक्षा करते हुए जनहित में सतत कार्य करना होगा।"

इस अवसर पर देश के विभिन्न प्रदेशों से पधारे पत्रकार साथियों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान पत्रकारिता एवं सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों को मंचासीन अतिथियों ने पुरस्कार वितरण कर सम्मानित किया गया,

जिससे उपस्थित जनों में उत्साह और प्रेरणा का संचार हुआ।

कार्यक्रम के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए आयोजकों ने मुख्य एवं विशिष्ट अतिथियों, दूर–दराज से आए पत्रकार साथियों, प्रतिभागियों तथा आयोजन को सफल बनाने वाले सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में इनकी रही गरिमा में उपस्थित

ऑल इंडिया स्मॉल एंड मीडियम न्यूजपेपर्स फेडरेशन नई दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष सरदार गुरिंदर सिंह जी के निर्देशन में बिलासपुर छत्तीसगढ़ में आज राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन तरुण साहू जी ने किया। भारत सरकार के शहरी आवासन राज्य मंत्री तोखन साहू जी कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे। इस कार्यक्रम में फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव अशोक कुमार नवरत्न एवं भारतीय प्रेस परिषदध्केन्द्रीय मीडिया प्रत्यायन समिति के सदस्य सुधीर पांडा जी भी उपस्थित रहे। फेडरेशन के उत्तर प्रदेश राज्य के अध्यक्ष शोएब अहमद, प्रदेश उपाध्यक्ष परवेज आलम, प्रदेश महासचिव अनिल कुमार त्रिपाठी, प्रयागराज के जिला अध्यक्ष कुलदीप सिंह, साधना सिंह, वाराणसी से मुन्नालाल साहनी, सुल्तानपुर के जिला अध्यक्ष दीपक मिश्रा, उत्तराखंड के राज्य अध्यक्ष श्री राजकुमार छाबड़ा, नवीन टुटेजा, वरुण छाबड़ा, मीनाक्षी कश्यप आदि उपस्थित रहे।

सफल आयोजन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष नीति बधाई

छत्तीसगढ़ में आयोजित सफल सेमिनार की शानदार सफलता पर ऑल इंडिया स्माल एंड मीडियम न्यूजपेपर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गुरिंदर सिंह ने पूरी टीम को बधाई।

आल इंडिया मीडियम एंड स्माल न्यूज पेपर फेडरेशन के महासचिव अशोक नवरत्न ने बिलासपुर में कहा कि आज के डिजिटल दौर में भी प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता और जिम्मेदारी कम नहीं हुई है।

उन्होंने कहा कि छोटे और मझौले समाचार पत्र लोकतंत्र की जड़ें मजबूत करते हैं और आम जनता की आवाज को मजबूती से सत्ता तक पहुँचाते हैं।

श्री नवरत्न ने पत्रकारों से आह्वान किया कि वे निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी पत्रकारिता को अपना ध्येय बनाएं, ताकि समाज में सच, संवेदना और सरोकार जीवित रह सकें। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष तरुण साहू जी सहित आयोजन समिति के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी।

उत्तर शोएब अहमद प्रदेश अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश बिलासपुर, छत्तीसगढ़ में आयोजित सफल राष्ट्रीय संगोष्ठी के लिए हार्दिक धन्यवाद देता हूँ। अखिल भारतीय लघु एवं मध्यम समाचार पत्र महासंघ के 50वी वर्षगांठ के अवसर पर इस संगोष्ठी का भव्य आयोजन किया गया, जिसमें प्रिंट मीडिया की महत्वता, पत्रकारिता की चुनौतियाँ, और डिजिटल युग में समाचार पत्रों की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई।

इस सफल आयोजन के लिए मैं श्री तरुण साहू जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष के रूप में इस कार्यक्रम का नेतृत्व किया। उनके परिवार और बच्चों के सहयोग को भी मैं अत्यंत सराहनीय मानता हूँ। साथ ही, मैं श्री मधुर जी और अनमोल जी का भी विशेष धन्यवाद करता हूँ, जिन्होंने इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया और हम सभी की खातिरदारी में कोई कमी नहीं रखी।

इस अवसर पर उपस्थित सभी अतिथियों, पत्रकारों, और आयोजकों का भी आभार व्यक्त करता हूँ। विशेष रूप से छत्तीसगढ़ एडिटर्स एंड पब्लिशर्स एसोसिएशन के सहयोग के लिए धन्यवाद।

फूलों का अन्दाज

(कुण्डलिया)

खामोशी के साथ में, फूलों का अन्दाज।
व्यक्त करें हर बात को, खोल दिलों का राज।
खोल दिलों का राज, दुखों का करें निवारण।
देते हरदम साथ, नहीं बनते हैं कारण।
सुन लो कहें प्रदीप, जोड़ रिश्तों की डोरी।
देता उसे सुगन्ध, तोड़ सारी खघमोशी।।

समझे उनकी भावना,जिनके नेक विचार।
देते हैं हर मित्र को, फूलों का उपहार।
फूलों का उपहार, कहो मत परंपरा है।
जिसका हर अंदाज, हमेशा हरा–भरा है।
सुन लो कहें प्रदीप,फूल की भाषा बनके।
रहते उनके साथ, हमेशा दिल की समझे।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

काकोरी में पानी टंकी के पास चौकीदार का शव मिला

लखनऊ, संवाददाता। काकोरी कोतवाली क्षेत्र के पलेहनदा गांव में मंगलवार को जल निगम की टंकी परिसर में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिला। मृतक की पहचान पलेहनदा निवासी श्यामू गौतम (45) पुत्र स्वर्गीय रामजीवन के रूप में हुई है। वह टंकी का चौकीदार था। जानकारी के अनुसार, श्यामू गौतम एक निजी ठेकेदार के माध्यम से जल निगम की टंकी पर चौकीदारी का कार्य करते थे। वह सोमवार रात को अपनी नियमित ड्यूटी पर गए थे। मंगलवार सुबह गांव के लोगों ने उन्हें मृत पाया, जिसके बाद परिजनों और पुलिस को सूचित किया गया। काकोरी पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस प्रथम दृष्टया इस मामले को संदिग्ध मान रही है। काकोरी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतीश चंद्र राठौर ने बताया कि मृतक की मौत के कारणों का स्पष्ट पता पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही चल पाएगा।उन्होंने यह भी बताया कि फिलहाल परिजन की ओर से कोई लिखित आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। मृतक की पत्नी श्याम कुमारी ने बताया कि उनके पति प्रतिदिन की तरह रात में ड्यूटी पर गए थे। उन्हें सुबह गांव वालों से पति की मौत की खबर मिली। परिवार में पत्नी के अलावा कोई अन्य सदस्य नहीं है। अधेड़ की इस संदिग्ध मौत को लेकर गांव में विभिन्न तरह की चर्चाएं हैं। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आधार पर ही आगे की कार्रवाई तय की जाएगी।

ज्वाइंट सीपी ने चेकिंग अभियान चलाया,हजरतगंज में वाहनों की चेकिंग

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के हजरतगंज चौराहे पर नए साल के चलते ज्वाइंट सीपी ने चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान डॉग स्क्वॉड समेत कई टीम में मौजूद रहीं। चौराहे से गुजरने वाली हर गाड़ियों की चेकिंग की गई। मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे पुलिस टीम चौराहे पर चेकिंग करने उतरी। इस दौरान बिना हेलमेट और नियमों का उल्लंघन करने वालों की गाड़ी को रुकवाया गया। कई ऐसे चालक रहे जो पुलिस को देखकर भागते नजर आए। वही जिन्हें रोका गया वह अलग–अलग बहाने बनाते रहे। जितनी गाड़ियां रोकी गई उसमें कई गाड़ियों में हेलमेट मिला। हालांकि किसी ने लगा नहीं रखा था। डीएल मांगने पर कई चालक दिखा नहीं सके। इस दौरान डीसीपी ट्रैफिक ने कई लोगों को हिदायत देकर छोड़ा।

अपार्टमेंट में स्प्रे छिड़कने से डरे आवंटी,रूम स्प्रे लेकर पहुंची थी महिला

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र स्थित इकबाल नगर के रजा अपार्टमेंट में बीती रात एक महिला घुसकर फ्लैटों के दरवाजे खटखटाने लगी और लोगों पर स्प्रे करने लगी। अचानक हुई इस घटना से अपार्टमेंट में रहने वाले लोग डर गए और शोर मचाने लगे। स्थानीय लोगों के अनुसार, शुरुआत में तीन संदिग्ध महिलाओं के अपार्टमेंट में घुसने की बात सामने आई थी। आरोप था कि महिलाएं अलग–अलग फ्लैटों के दरवाजे खटखटाकर अंदर मौजूद महिलाओं पर नशीला स्प्रे छिड़क रही थीं। हंगामा बढ़ने पर लोगों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, इसी दौरान दो महिलाएं मौके से फरार हो गई। जबकि एक महिला को पकड़ लिया गया। पकड़ी गई महिला से पूछताछ के दौरान पुलिस कर्मियों के ऊपर भी स्प्रे करने लगी। जब उसे थाने ले जाकर बैठाया गया और पूछताछ की गई वहां भी वह वो चिल्लाने लगी। पुलिस जांच में सामने आया कि पकड़ी गई महिला मानसिक रूप से कमजोर है। ठाकुरगंज इंस्पेक्टर के अनुसार महिला घर से बिना बताए निकल गई थी और भटकते हुए रजा अपार्टमेंट पहुंच गई। उसके पास जो स्प्रे था, वह कोई नशीला या जहरीला पदार्थ नहीं बल्कि सामान्य रूम फ्रेशनर था। जिसे लोगों ने गलतफहमी में जहरीला समझ लिया। परिजनों को मौके पर बुलाया गया। जिसके बाद महिला को उनके सुपुर्द कर दिया गया। पुलिस का कहना है कि फिलहाल किसी आपराधिक गिरोह या नशीले स्प्रे की पुष्टि नहीं हुई है।

सड़क के किनारे मिले व्यक्ति की मौत, सिर पर चोट के निशान थे

लखनऊ, संवाददाता। विकास नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार सुबह सड़क के किनारे एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। उसके सिर पर चोट के निशान थे। पुलिस ने उसे उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा जिला चिकित्सालय मेंरेन बसेरा, ई- संजीवनी टेलीमेडिसिन केंद्र तथा पोषण पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया गया

मुजफ्फरनगर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया द्वारा आज जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का गहन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला चिकित्सालय परिसर स्थित रेन बसेरा,ई– संजीवनी टेलीमेडिसिन केंद्र एवं पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सर्वप्रथम रेन बसेरा का निरीक्षण किया। यहां उन्होंने ठहरने वाले मरीजों एवं उनके तीमारदारों से बातचीत कर उनकी समस्याएं जानीं। उन्होंने निर्देश दिए कि रेन बसेरा में साफ–सफाई, पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था एवं ठंड से बचाव की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि दूर–दराज से आने वाले मरीजों एवं उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

इसके उपरांत डॉ. सुनील तेवतिया ने ई–संजीवनी टेलीमेडिसिन केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने टेलीमेडिसिन सेवाओं की कार्यप्रणाली की जानकारी ली तथा मरीजों को मिलने वाली परामर्श सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि टेलीमेडिसिन के माध्यम से विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवाएं आमजन तक पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है, इसलिए तकनीकी संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए अधिक से अधिक मरीजों को लाभान्वित किया जाए।

निरीक्षण के क्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का भी भ्रमण किया। उन्होंने वहां भर्ती कुपोषित बच्चों की स्थिति की जानकारी ली तथा उनके उपचार, पोषण आहार एवं देखभाल की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित स्टाफ को निर्देशित किया कि बच्चों की नियमित निगरानी, समय पर आहार वितरण एवं स्वच्छता मानकों का पूर्ण रूप से पालन किया जाए, जिससे कुपोषण के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान को मजबूती मिल सके।

निरीक्षण के दौरान डॉ. सुनील तेवतिया ने जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात कर उनका हाल–चाल जाना तथा उन्हें उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने मरीजों को आश्वस्त किया कि जिला चिकित्सालय में बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने सभी प्रभारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ किया जाए तथा मरीजों को समय पर, पारदर्शी एवं संवेदनशील सेवाएं प्रदान की जाएं।

सबकी सुनते डीएम, करते समस्याओं का निदान

प्रशासनिक कार्रवाई से नागरिकों में भरोसा

लखनऊ, संवाददाता। सबकी सुनते डीएम और समस्याओं, शिकायतों का त्वरित निदान करते हैं। डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट बाराबंकी शशांक त्रिपाठी के जनता दर्शन में लोगो के शिकायत पत्रों का संतुलित ढंग से निस्तारण कर राहत पहुंचाई है। जल निकासी हो या अवैध कब्जा या फिर चकमार्ग, विद्युत कनेक्शन, ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि तथा काशीराम आवास से जुड़े मामलों में संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर कार्यवाही करते हुए समाधान किया गया। तहसील नवाबगंज क्षेत्र में जल निकासी की समस्या को गंभीरता से लेते हुए नाली की सफाई का कार्य करा दिया गया है। निरीक्षण के बाद स्पष्ट किया गया कि स्थायी नाली निर्माण हेत 1.50 लाख रुपये का व्यय संभावित है, जिसे धन उपलब्धता व बोर्ड स्वीकृति के बाद कराया जाएगा। समस्या का तात्कालिक समाधान कर दिया गया है। रामनगर तहसील के ग्राम हरसौली में चकमार्ग संख्या–350 को पैमाइश कराकर खाली करा दिया गया। इसी तरह फतेहपुर क्षेत्र में गाटा संख्या–2565 पर किए गए अवैध कब्जे को राजस्व व पुलिस टीम ने हटवाया और दोबारा कब्जा न करने की चेतावनी दी गई। नगर पंचायत सुबेहा की भूमि से अतिक्रमण हटाकर खेतों तक रास्ता भी उपलब्ध कराया गया।काशीराम कॉलोनी से जुड़े मामलों में प्रशासन ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया। एक प्रकरण में बकाया वसूली के बाद नया विद्युत कनेक्शन जारी किया गया और स्मार्ट मीटर लगाया गया। अभयनगर काशीराम कॉलोनी में रह रही महिला को वैकल्पिक व्यवस्था होने तक आवास में बने रहने की अनुमति दी गई। ग्रामीण क्षेत्र में ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि कप्रस्ताव बिजनेस प्लान 2026–27 में शामिल किया गया है।

लोकपाल मनरेगा ने कालाकांकर ब्लाक का किया दौरा

माधवापुर में चौपाल लगा कर की सुनवाई
मौके पर शिकायतकर्ता नही हो सका उपस्थिति/फोन पर दर्ज किया बयान
अमृत तालाब के अधूरे कार्य को पूर्ण कराने का दिया निर्देश

प्रतापगढ़। लोकपाल मनरेगा समाज शेखर ने कालाकांकर विकास खंड मुख्यालय पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दौरा किया। बीडीओ कार्यालय मे उन्होंने जन समान्य की शिकायतों की सुनवाई की वहीं प्रधानों व प्रतिनिधियों व मनरेगा कर्मियों से संवाद किया। ग्राम पंचायत मधवापुर में चौपाल लगाकर जन सामान्य की शिकायतों को सुनकर ग्राम पंचायत विकास खंड को आवश्यक निर्देश दिया।

ग्राम चौपाल मे लोकपाल ने शिकायतकर्ता बृजेश सरोज के शिकायतों की सुनवाई की. मौके पर बृजेश उपस्थिति नही हुए तब लोकपाल ने सचिव के माध्यम से बृजेश से सार्वजनिक रूप से चौपाल में वार्ता की. बृजेश का आरोप था की प्रधान व सचिव ने अमृत तालाब के नाम पर खानापूर्ति की है। लोकपाल ने चौपाल के बाद ग्रामीणों व पंचायत प्रतिनिधियों के साथ तालाब का निरीक्षण किया। मौके पर खुदे तालाब के बंधे जगह जगह से कटे मिले और ग्राम वासियों ने बताया बरसात में यह स्थान जल मग्न हो जाता है चारो तरफ सिर्फ पानी ही पानी होता है. यह प्राचीन ताल है. जो दुवार नदी के किनारे स्थित है। लोकपाल ने ग्राम पंचायत सचिव व प्रधान को अधूरे कार्य पूर्ण कराके अवगत कराने का निर्देश दिया। वहीं खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि अमृत तालाब के अपूर्ण कार्य को पूर्ण कराके तकनीकी निरीक्षण आख्या से अवगत कराया जाना सुनिश्चित हो।

ब्लाक में काशीपुर व रामपुर डडौली के प्रधान ने लोकपाल को ग्राम मे आमंत्रित किया। जिस पर उन्होंने आने का वायदा किया. लाटतारा ग्राम के पूर्व प्रधान ने अपने बकाये धनराशि के संबंध मे मुलाकात की लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय से मिलकर समाधान कराये जाने को कहा । वहीं

रानीमऊ के ग्रामीणों की मॉग पर प्रधान राकेश साहू को पंचायत भवन के सामने के तालाब को स्वच्छ व सुंदर बनाने को कहा। अतौलिया ग्राम पंचायत के प्रतिनिधि बृजेश यादव व वडेरा ग्राम के प्रधान प्रतिनिधि जीत लाल ने लोकपाल से मुलाकात करके ग्राम में चल रहे कार्यो की प्रगति से अवगत कराया। इस अवसर पर जे ई एम आई सुमित श्रीवास्तव, तकनीकी सहायक सुनील सिंह व जितेंद्र सिंह, प्रधान करमगंज प्रमोद पटेल व माधवापुर प्रधान प्रतिनिधि संतोष यादव , ग्राम सचिव व ग्राम रोजगार सेवक गण ने प्रतिभाग किया।

ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर भाजपा विधायक ने दी सफाई, कहा- जय श्री राम, जय सनातन, जय भाजपा

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान कुशीनगर से भाजपा विधायक पी एन पाठक के सरकारी आवास पर ब्राह्मण विधायकों की बैठक को लेकर उठे विवाद पर अब स्वयं विधायक की प्रतिक्रिया सामने आई है। सोशल मीडिया के जरिए दिए गए बयान से एक बार फिर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भाजपा विधायक पंचानंद पाठक ने एक्स पर किए गए अपने पोस्ट में कहा कि ब्राह्मण समाज को जोड़ने का कार्य करता है, न कि विभाजन का। उन्होंने लिखा, जय श्री राम, जय सनातन, जय भाजपा। सनातन परंपरा में ब्राह्मण को समाज का मार्गदर्शक, विचारक और संतुलनकर्ता माना गया है। जहां ब्राह्मण एकत्र होता है, वहां ज्ञान, विवेक और चिंतन का मंथन होता है, जो हिंदू अस्मिता को सशक्त बनाता है।

भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के अवसर पर अटल स्मृति सम्मेलन

मुजफ्फरनगर। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी की जन्म शताब्दी के अवसर पर अटल स्मृति सम्मेलन विधानसभा पुरकाजी में भव्य आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येंद्र सिसोदिया जी की गरिमामयी उपस्थिति रही साथ ही जिला अध्यक्ष सुधीर सैनी अभियान संयोजक सुधीर खटीक कार्यक्रम संयोजक श्री प्रमोद उटवाल, जिला प्रमुख अमित चौधरी, अभियांन सह–संयोजक हिमांशु सैनी, सचिन सैनी एवं पुरोहित उटवाल जी विशेष रूप से उपस्थित रहे। सम्मेलन में विधानसभा क्षेत्र के सभी मंडलों के मंडल अध्यक्षगण एवं सैकड़ों कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम में अटल जी के विचारों, आदर्शों और राष्ट्र के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया।

सम्पादकीय.....

दोस्ती अखबार से

ऐसे दौर में जब बच्चे डिजिटल मीडिया को अंतिम सत्य मानने लगे हैं, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा स्कूलों में अखबार पढ़ना अनिवार्य बनाना एक सुखद अहसास ही है। सुबह की प्रार्थना के दौरान दस मिनट तक राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय खबरें व संपादकीय पढ़ना अनिवार्य किया गया है। बाकायदा रोज पांच कठिन शब्द अर्थ के साथ ब्लैकबोर्ड पर दर्ज होंगे। निश्चय ही इस प्रयास से जहां बच्चों में पढ़ने की संस्कृति, शब्द व सामान्य ज्ञान बढ़ेगा, वहीं उनके स्क्रीन टाइम में कमी आ सकेगी। निर्विवाद रूप से इससे धीरे–धीरे छात्रों की पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ेगी। बच्चे पढ़ने की संस्कृति से जुड़कर भावनात्मक, बौद्धिक व सामाजिक सरोकारों से समृद्ध होंगे। बहुत संभव है कि यदि इस अभियान को निरंतरता के साथ चलाया जाता रहा तो बच्चे पुस्तकालयों में रुचि लेने लगेंगे। विडंबना यह है कि आज बच्चों की उंगलियां पुस्तकों के पन्ने पलटने के बजाय मोबाइल के की–बोर्ड पर थिरकती रहती हैं। चिंताजनक स्थिति है कि भारत में पांच साल तक के बच्चे भी रोज दो घंटे से अधिक समय स्क्रीन पर बिताते हैं। एक सर्वे में चौंकाने वाली बात यह भी सामने आई कि दो साल जैसी कम उम्र के बच्चे भी रोज 1.2 घंटे स्क्रीन पर लगाते हैं। गंभीर स्थिति यह है कि एक चौथाई बच्चों की इंटरनेट तक पहुंच है। ऐसे वक्त में जब आस्ट्रेलिया में 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की सोशल मीडिया तक पहुंच को रोका गया है, भारत में दस साल से कम उम्र के बच्चों तक के सोशल मीडिया अकाउंट बने हुए हैं। दरअसल, उत्तर प्रदेश सरकार ने फैसला किया है कि मॉर्निंग असेंबली के दौरान बच्चों को अंग्रेजी व हिंदी के समाचार पत्र पढ़ने को दिए जाएंगे। ये निर्णय सभी सरकारी सेकेंडरी और बेसिक स्कूलों के लिये है, लेकिन यदि निजी स्कूल भी चाहें तो वे भी ऐसा निर्णय ले सकते हैं। निस्संदेह, बच्चों को स्कूली पाठ्यक्रम से अलग भी पुस्तकें पढ़ने की आदत डालनी चाहिए। तमाम सर्वे बता रहे हैं कि आज भी अखबार भरोसेमंद सूचना माध्यम हैं। कई चरणों में संपादकीय मंडल खबरों को सुरक्षित तरीके से जांच कर प्रकाशित करता है। यूं तो कथित सोशल मीडिया पर सूचनाओं का अंबार लगा है, लेकिन संपादक नामक संस्था के न होने से उनकी विश्वसनीयता संदिग्ध है। निहित स्वार्थी तत्व भ्रामक सूचनाएं लगातार प्रसारित करते रहते हैं। निस्संदेह, बच्चे जब अखबार पढ़ेंगे तो अखबारों के संपादकीय व लेख पढ़कर वे अपना दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे। साथ ही उनकी भाषा समृद्ध होगी। आजकल के छात्रों के सबसे कम नंबर मातृभाषा में ही आते हैं। संकट यह भी है कि आज सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बच्चों की मासूमियत छीन रहे हैं और उन्हें समय से पहले वयस्क बना रहे हैं। शिक्षकों की उपस्थिति में अखबारों के जरिये मिलने वाली प्रामाणिक जानकारी उनकी सकारात्मक सोच को विकसित करेगी। बच्चों की पढ़ने की यह आदत तब और विकसित होगी, जब अभिभावक भी बच्चों को घर में पढ़ने के लिये प्रोत्साहित करेंगे। यहां यह भी जरूरी है कि बच्चों के लिये स्कूलों में शुरू हुआ यह अभियान निरंतरता के साथ चलता रहे।

भारत के लिए बेअसर रहा ट्रंप का टैरिफ

प्रेम शर्मा

अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट के नुकसान की भरपाई करने और साथ ही भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए, भारत ज्यादा से ज्यादा ट्रेडिंग पार्टनर्स की तलाश कर रहा है।

हाँ, अमेरिका ने 27 अगस्त 2025 से भारत के कई निर्यात उत्पादों पर कुल 50 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क (टैरिफ) लगाया था, जिसका मुख्य कारण भारत का रूस से तेल और हथियार खरीदना था, लेकिन भारतीय निर्यातकों ने बाजार विविधीकरण और उत्पादों में विविधता लाकर इस झटके का सामना किया और निर्यात को बनाए रखा, जिससे 2026 में भी निर्यात में तेजी जारी रहने की उम्मीद है। वर्ष 2025 में अमेरिका ने भारत के निर्यात पर लगभग 50 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया. उसके बाद भी भारत के एक्सपोर्ट ने ट्रंप टैरिफ को पानी पानी पिला दिया और भारतीय निर्यातकों ने अपने बाजारों को डायवर्सिफाई करके निर्यात वृद्धि को मजबूती से बनाए रखा. जानकारों का कहना है कि ट्रंप के टैरिफ से भारत को जितने नुकसान होने की संभावना थी वो नहीं हुआ है. इसके विपरीत तेजी देखने को मिली है. जिसका प्रमुख कारण भारत की लंबे समय से की जा रही तैयारी और दुनिया के दूसरे बाजारों में भारत की एक्सेप्टेंस है। इसी से इस बॉत का अनुमान है कि भारत के निर्यात में 2026 में मजबूत वृद्धि होने की पूरी संभावना है। ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ नए व्यापार समझौतों से निर्यात को बढ़ावा मिलेगा। वर्ष 2025 लगभग बीत रहा है ऐसे में अमेरिकी टैरिफ के बावजूद, 2025 में अमेरिका को निर्यात में भारी वृद्धि हुई। जो भारत की कूटनीति और व्यापार नीति का प्रमाण कही जा सकती है। खास तौर से इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग और फार्मास्यूटिकल्स सेक्टर्स में यह वृद्धि सबसे अधिक रही। यह तेजी 2026 में भी जारी रहने की संभावना है. व्यापार मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के शब्दों में, व्यापार पानी की तरह है, यह अपना मार्ग खुद ढूंढ लेता है. इसी सिद्धांत के साथ भारतीय वस्तु निर्यात ने कोविड–19 महामारी, रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–हमास युद्ध, लाल समुद्र शिपिंग संकट, सेमीकंडक्टर आपूर्ति समस्या और अब अमेरिका के उच्च शुल्क जैसी चुनौतियों के बीच भी तेजी से प्रतिक्रिया दी है। ज्ञात हो कि 20 जनवरी 2025 को डोनाल्ड ट्रंप ने दूसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। इस तारीख के बाद बहुत से देशों के अमेरिका से संबंध खराब होना शुरू हो गए थे। उनमें से एक भारत भी था। सत्ता में आते ही ट्रंप के तेवर पहले ही दिन से पूरी दुनिया को समझ में आ गए थे। टैरिफ की रट लगाने वाले ट्रंप आज इस मुद्दे पर बहुत कम ही बोलते हैं। वह चौतरफा घिर चुके हैं। भारत ने उनके टैरिफ का मुंहतोड़ जवाब दिया। अमेरिका को होने वाले एक्सपोर्ट के नुकसान की भरपाई करने और साथ ही भारत के विदेशी व्यापार को बढ़ाने के लिए, भारत ज्यादा से ज्यादा ट्रेडिंग पार्टनर्स की तलाश कर रहा है। 2025 में, भारत ने यूनाइटेड किंगडम, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट साइन किए।भारत–यूरोपीय मुक्त व्यापार संगठन और आर्थिक साझेदारी समझौता मार्च 2024 में साइन किया गया था। यह आधिकारिक तौर पर 1 अक्टूबर 2025 को चार सदस्य देशोंरू आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ लागू हुआ। यही नही भारत रूस के साथ अपनी ऐतिहासिक पार्टनरशिप और चीन के साथ हाल ही में बेहतर हुए संबंधों का भी फायदा उठा रहा है ताकि एक्सपोर्ट के मौके तलाशे जा सकें और इन्वेस्टमेंट आकर्षित किया जा सके। अमेरिकी टैरिफ के नेगेटिव असर का मुकाबला करने के लिए भारत की रणनीति ने महत्वपूर्ण गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स सुधारों के जरिए अपनी मजबूत घरेलू अर्थव्यवस्था का फायदा उठाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अक्टूबर, नवंबर और दिसंबर 2025 में भारतीय रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले काफी और लंबे समय तक गिरावट देखी गई। रुपया लगातार नए रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचता रहा। यह करेंसी, जो साल की शुरुआत में लगभग 85.64 प्रति डॉलर पर थी, दिसंबर की शुरुआत में मनोवैज्ञानिक रूप से महत्वपूर्ण 90 के निशान को पार कर गई और दिसंबर के मध्य तक ध्91 के निशान को भी पार कर गई। सरकार ने इसे जानबूझकर नहीं रोका। लेकिन जब लगा रोकना जरूर तो भारतीय रिजर्व बैंक ने इसमें दखल दिया। विशेषज्ञों की माने तो कमजोर रुपया चुपचाप भारत की एक्सपोर्ट कमाई को बढ़ाता है। यह बात अब और भी मायने रखती है, क्योंकि ज्यादा टैरिफ और राजनीतिक तनाव के कारण ग्लोबल ट्रेड मुश्किल होता जा रहा है। अमेरिका ने कई भारतीय प्रोडक्ट्स पर टैरिफ बढ़ा दिए हैं, लेकिन कमजोर रुपये ने इसके असर को कम कर दिया है। ज्ञात हो कि न्यूजीलैंड के साथ व्यापार अगले पांच साल में दोगुना करने का लक्ष्य है। भारत का निर्यात 2020 में लगभग 276. 5 अरब डॉलर था, जो 2021 में बढ़कर 395.5 अरब डॉलर और 2022 में 453.3 अरब डॉलर हो गया था. 2023 में यह गिरकर 389.5 अरब डॉलर रहा, लेकिन फिर 2024 में यह 443 अरब डॉलर तक पहुंच गया। वर्ष 2025 (जनवरी–नवंबर) तक इसका आंकड़ा लगभग 407 अरब डॉलर हो चुका है। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल के अनुसार वित्त वर्ष 2024–25 में भारत का माल और सेवा निर्यात ऐतिहासिक उच्च स्तर 825.25 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जिसमें सालाना आधार पर छह प्रतिशत से अधिक वृद्धि हुई। चालू वित्त वर्ष (अप्रैल–नवंबर 2025) में भी निर्यात 562 अरब डॉलर रहा। जो वैश्विक चुनौतियों के बीच भारत के लचीलेपन को दर्शाता है। वर्तमान रुझानों के आधार पर 2026 में भी भारत की निर्यात वृद्धि मजबूत रहने की संभावना है। खास तौर पर तीन मुक्त व्यापार समझौते (ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड) नए साल लागू होने वाले हैं।

राहुल–खड़गे को सावधान होने की जरूरत

नवीन मिश्र

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने 28 दिसंबर को अपनी स्थापना के 140 साल पूरे किए। एक संगठन, एक राजनैतिक दल के तौर पर तमाम उतार–चढ़ावों के बीच इतना लंबा सफर तय करना ही अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कांग्रेस ने अंग्रेजी हुकूमत को खत्म करने के लिए लंबी लड़ाई लड़ी। जिसमें वक्त के अनुसार तरीके बदलते रहे। कांग्रेस के भीतर अलग विचारधाराएं पनपीं, जिनके कारण कई बार पार्टी में टूट हुई। कांग्रेस से निकले लोगों ने अपने नए दल बनाए, कभी उन दलों का कांग्रेस में विलय हुआ, कभी वे साथ चलते रहे। कांग्रेस ने कई बार भितरघात भी सहे। लेकिन इन सबके बीच कभी भी अपनी मूल विचारधारा को नहीं छोड़ा, जो असल में भारत की उदार और समावेशी संस्कृति से निकली है। जिसमें किसी भी किस्म के भेदभाव, संकीर्णता, सांप्रदायिकता, नफरत और हिंसा के लिए जगह नहीं है। उच्च नैतिक आदर्शों के साथ अस्तित्व को कायम रखना आसान नहीं था, लेकिन कांग्रेस इस कसौटी पर खरी उतरती आई है।स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बिल्कुल सही कहा कि जो लोग यह कहते हैं कि कांग्रेस खत्म हो चुकी है, उन्हें साफ संदेश है कि पार्टी भले सत्ता में न हो, लेकिन उसकी रीढ़ सीधी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने न कभी संविधान से समझौता किया, न धर्मनिरपेक्षता से और न ही लोगों के अधिकारों से। श्री खड़गे ने साफ कहा कि कांग्रेस सिर्फ एक पार्टी नहीं, बल्कि एक विचारधारा है, जो कभी खत्म नहीं हो सकती। आज जब संविधान और लोकतंत्र खतरे में हैं, कांग्रेस उसी भारत के लिए संघर्ष जारी रखेगी, जिसका सपना स्वतंत्रता सेनानियों ने देखा था। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश की आत्मा और संविधान को बचाने की है।इसी तरह राहुल गांधी ने भी कहा कि कांग्रेस हमेशा समाज के कमजोर, वंचित और मेहनतकश वर्ग के साथ खड़ी रही है और आगे भी उनके अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करती रहेगी। कांग्रेस का संकल्प नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस और संविधान की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करने का है। यह लड़ाई सत्ता के लिए नहीं, बल्कि देश के लोकतांत्रिक मूल्यों और संविधान को बचाने के लिए है। मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी ने संविधान बचाने के लिए कांग्रेस के संघर्ष को जारी रखने का जो आह्वान किया है, उसमें एक तरफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को निराशा से बाहर निकालने और लंबी लड़ाई लड़ने के लिए तैयार किया गया है, वहीं दिग्विजय सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं को इशारे से जवाब भी दिया गया है कि सत्ता रहे न रहे लेकिन रीढ़ सीधी होनी चाहिए यानी आत्मसम्मान बना रहना चाहिए, जिसमें कांग्रेस अब तक सफल रही है। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने 27 दिसंबर को लालकृष्ण आडवानी और नरेन्द्र मोदी की एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए भाजपा और संघ के संगठन की तारीफ की, कि जमीन पर बैठने वाला एक कार्यकर्ता भी मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री बन गया। इस तस्वीर में आडवानी सोफे पर बैठे हैं और नरेन्द्र मोदी जमीन पर।दिग्विजय सिंह की पोस्ट पर सवाल उठने लगे कि क्या श्री सिंह अब भाजपा में जाने की तैयारी कर रहे हैं या ये राज्यसभा में फिर से आने की भूमिका बांधी गई है। दिग्विजय सिंह ने क्या राहुल गांधी और कांग्रेस में गांधी परिवार के रसूख पर हमला बोला है, ये कयास भी लगे। वहीं कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने दिग्विजय सिंह का समर्थन किया है और कहा जी हां मैं भी यही चाहता हूं कि पार्टी संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया जाएश्श। हमारा 140 साल का इतिहास है, और हम इससे बहुत कुछ सीख सकते हैं। हम खुद से भी बहुत कुछ सीख सकते हैं। सब जानते हैं कि कांग्रेस में जहां अध्यक्ष का बाकायदा चुनाव होता है, वहीं भाजपा में अंदरूनी लोकतंत्र नाम की कोई चीज नहीं है। वहां पहले से टू मच डेमोक्रेसी की पहचान करते हुए एक किस्म की तानाशाही बनी हुई है। पार्टी का संविधान कुछ भी कहे, भाजपा में आज की तारीख में वही होता है, जो नरेन्द्र मोदी और अमित शाह तय करते हैं। चाहे दिग्गज नेताओं को एक झटके में किनारे करते हुए कम पहचाने चेहरों में से किसी को मुख्यमंत्री बनाना हो या जब मन चाहे मुख्यमंत्री समेत पूरी केबिनेट बदलना हो या रातों रात किसी को कार्यकारी अध्यक्ष बनाना हो और अध्यक्ष का कार्यकाल खत्म होने के बावजूद उसे एक्सटेंशन पर एक्सटेंशन देना हो, मोदी–शाह की जोड़ी ही सारे फैसले लेती है और इसमें किसी जमीन पर बैठने वाले कार्यकर्ता की बात तो दूर, कई सालों से सांसद और विधायक बनने वाले वरिष्ठ नेता भी हूं चूं नहीं कर पाते। जिन लालकृष्ण आडवानी के सामने नरेन्द्र मोदी जमीन पर बैठे थे, उन्हीं आडवानी को कैसे कई मौकों पर मोदी ने बेइज्जत किया है, ये भी दिग्विजय सिंह और शशि थरूर ने देखा ही है। फिर भी उन्हें भाजपा और संघ से प्रेरित होना हो, तो इसमें अब मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को सावधान होने की जरूरत है। भाजपा तो मोदी सरकार के पहले कार्यकाल से कांग्रेस मुक्त भारत बनाने की बात कहती आई। उसमें सफल नहीं हो पाई तो कांग्रेस में बड़ी सेंध लगाकर उसके कई नेताओं को भगवा गमछा ओढ़ा दिया। राहुल गांधी ने तब भी कहा कि अच्छा है हमारे यहां सफाई हो गई। अभी लोकसभा हारने के बाद महाराष्ट्र, हरियाणा और बिहार भी कांग्रेस हारी, लेकिन फिर भी उतने ही दम से कांग्रेस भाजपा को मनरेगा खत्म करने से लेकर अरावली में खनन और एसआईआर की गड़बड़ियों पर चुनौती दे रही है। 14 दिसंबर को रामलीला मैदान में कांग्रेस की जमीनी ताकत भाजपा ने देखी है और अब 5 जनवरी से मनरेगा बचाने के लिए फिर से कांग्रेस आंदोलन की शुरुआत कर रही है। इन सबसे भाजपा को यह समझ आ रहा है कि कांग्रेस को दबाना मुश्किल ही नहीं नामुमकिन भी है। क्योंकि मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी दोनों ने कहा है कि कांग्रेस सत्ता की नहीं, विचारधारा की लड़ाई लड़ती है और इस देश की जनता की आत्मा है। इसलिए दिग्विजय सिंह जैसे नेताओं के बयानों में भाजपा अपने लिए अवसर तलाशती है।

तिनका–तिनका मुहिम से जेलों में बड़े बदलाव

कानून की व्यवस्था और उसे तोड़ने के बीच में जो महीन रेखा होती है, देश–काल–परिस्थिति और आवेश में वह कब टूट जाती है, कहना कठिन है। कानून–कचहरी और अंधेरी जेल का त्रास। कुछ दबंगों और धनाढ्यों की साजिशों का शिकार बनते हैं। लेकिन हर कैदी में सुप्त–जाग्रत संवेदनाओं का स्रोत होता है। बंदियों के जीवन के उज्ज्वल व रचनात्मक पक्ष को उकेरने की मुहिम की अग्रदूत हैं वर्तिका नंदा। उनके ऋषिकर्म पर एक नजर। भारतीय समाज में एक सभ्य व्यक्ति जिस जेल को देखने जाने से भी कतराता है, वहां के बंदियों का जीवन सुधारने की पहल एक स्त्री करे,तो निश्चय ही अचरज होता है। पंजाब–हरियाणा से अपनी सृजन यात्रा की शुरुआत करके देश की राजधानी को अपनी कर्मस्थली बनाकर 'अपराध की पत्रकारिता' का नया मुहावरा गढ़ने वाली वर्तिका नंदा ने जेल में बंदियों के जीवन में भी रेडियो पत्रकारिता का अभिनव प्रयोग किया है। उनके द्वारा तिहाड़ जेल से शुरू हुई कोशिश 'जेल का रेडियो' के जरिये कैदियों के जीवन में इंद्रधनुषी छटा बिखेरने की मुहिम, आज हरियाणा की दो तिहाई जेलों, उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश तक जा पहुंची है। कैदियों की शिक्षा और उनकी रचनात्मक प्रतिभा उकेरने में इस बड़ी बदलावकारी भूमिका रही है। हमारे परिवेश व सामाजिक वातावरण का कितना गहरा व नकारात्मक असर बालमन पर पड़ता है, वर्तिका नंदा जैसी संवेदनशील साहित्य की रचनाकार का अपराध ा की पत्रकारिता की ओर उन्मुख होना उसकी बानगी है। पंजाब के काले दौर ने उसके अंतर्मन को गहरे तक उद्वेलित किया। एक बार वह स्कूल की पढ़ाई के दौरान जालंधर दूरदर्शन से कार्यक्रम की रिकॉर्डिंग करके घर लौट रही थी कि निर्धारित ट्रेन छूट गई।

सिर्फ यादें रह गईं

धारावाहिक लघु उपन्यास (भाग –13)

लेखिका –अतिया नूर

मैं हतप्रभ सी बार – बार बस यही सोचती रही कि आखिर समीर ने गाड़ी चलाना कब, कहां और किससे सीखा? मेरे प्रश्नों का उत्तर देने वाला तो कोई नहीं था लेकिन मुझे आभास हो गया था कि – समीर के साथ रहने वाले उसके साथी उसे उसकी उम्र से बहुत अधिक बड़ी बातें सिखा चुके हैं। मैं बेबस सी समीर में उम्र से पहले आने वाले परिवर्तनों को देख रही थी। उसकी बातें भी अपनी उम्र से काफी ज्यादा बड़ी होने लगी थीं।उन बातों में परिपक्वता कम अधकचरा ज्ञान शामिल रहता था। हालांकि यह तो होना ही था, क्यूंकि गलत संगत का असर अच्छे – अच्छों को कहीं का नहीं छोड़ता...। समीर की संगत दिन ब दिन बद से बदतर लड़कों के साथ होती जा रही थी ।वह लड़के कभी समीर को बुलाने आते तो मैं उनकी शक्लें देखकर कांप जाती थी। उनमें से अधिकतर लड़के उसकी उम्र से कई गुना बड़े दिखते थे। हालांकि मैं उन लड़कों को देख कर परेशान हो जाती थी लेकिन फिर यह सोचकर स्वयं को तसल्ली दे देती थी कि – शायद ये बड़े लड़के मेरे किशोरवय के समीर का मार्गदर्शन करेंगे ।आज सोचती हूं तो अपरिपक्वता पर खुद से ही नाराज हो जाती हूं..

इन दिनों मैं समीर में आने वाले नए बदलाव को साफ महसूस कर रही थी। आजकल उसका शीशे में देखना, चेहरा संवारना, बालों की नई– नई स्टाइल बनाना, रोमांटिक गीत गुनगुनाना, तो कभी उदास हो जाना,सब कुछ मुझे समीर के नए रूप के दर्शन करा रहे थे। मैं उसे विश्वास में लेकर इन नए बदलावों का अर्थ जानने की कोशिश कर रही थी।बहुत दिनों तक कुछ पता नहीं चल सका लेकिन कहते हैं न कि – इश्क और मुश्क छुपाए नहीं छुपते...। तमाम दुखों के बीच मैं उस दिन मुस्कुरा उठी जिस दिन समीर ने मुझे नेहा की तस्वीर दिखाई। समीर की क्लासमेट नेहा बहुत प्यारी सी बच्ची थी। मेरी आंखों में कुछ सपने तैरने लगे, मेरा समीर मुझे दूल्हा बना हुआ नजर आने लगा, लेकिन अगले ही पल मैं हकधिकघ्त की दुनिया में लौट आई और अपनी आभासी दुनिया और अपने सपनों पर स्वयं ही हंस पड़ी, मैंने शेखर को भी यह बातें बताईं,शेखर ने बिना किसी प्रतिक्रिया के तटस्थ भाव से मेरी बातें सुनीं। मैंने खुद को समझाना आरंभ कर दिया कि अभी दिल्ली बहुत दूर है,अभी समीर इन बातों के लिए बहुत छोटा है।अभी तो वह केवल दसवीं कक्षा का विद्यार्थी था।

मैंने समीर को पढ़ाई पर ध्यान देने की ताकीद और इधर –उधर की बातों, क्रिया कलापों से दूर रहने के लिए कहा। मैं उससे बार – बार कहती रही कि – बेटा ! अभी तुम अपने भविष्य को संवारने पर ध्यान दो, समय आने पर तुम्हें सब कुछ मिलेगा लेकिन मेरा किशोरवय बच्चा, जिसे बाहर प्यार तलाश करने की आदत पड़ गई थी, उसे नेहा के प्रेम से मैं कभी भी मुक्त नहीं कर सकी! अपनी आखिरी सांस तक वह नेहा – नेहा कहकर तड़पता रहा....।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

करना मत अपमान तुम, माँ होती भगवान।
माँ जननी है सृष्टि की, ईश्वर का वरदान।।
ईश्वर का वरदान, करो तुम माँ की सेवा।
फल देगा भगवान, मिलेगी तुमको मेवा।
कहती रचना आज, शीश चरणों में धरना।
देती माँ आशीष , दुखी मत हिय को करना

वाणी के दो रूप है, मीठे कड़वे बोल।
मीठी वाणी बोलिए, उसका जग में मोल।।
उसका जग में मोल, करे वो हिय को शीतल।
कड़वे जिनके बोल, लगे वो जैसे पीतल।।
कहती रचना आज, दिखे दो जग में प्राणी।
मीठे कड़ुवे बोल, रूप दो बोले वाणी

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

राजेश खन्ना की 83वीं बर्थ एनिवर्सरी पर जैकी श्रॉफ ने दी श्रद्धांजलि

बॉलीवुड के पहले सुपरस्टार कहे जाने वाले राजेश खन्ना की आज 83वीं जयंती है। इस खास मौके पर फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े सितारे और फैंस सोशल मीडिया के जरिए उन्हें याद करते और श्रद्धांजलि देते नजर आ रहे हैं। इसी बीच इंडस्ट्री के जग्गू दा यानी एक्टर जैकी श्रॉफ ने भी राजेश खन्ना को श्रद्धांजलि दी और उनके साथ जुड़ी यादों को शेयर किया है। जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजेश खन्ना की एक तस्वीर के साथ एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो के बैकग्राउंड में सुपरहिट गीत 'चला जाता हूंइ' सुनाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि वह राजेश खन्ना को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद कर रहे हैं। उनका यह पोस्ट देखते ही देखते फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया। राजेश खन्ना का नाम भारतीय सिनेमा के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज है। साल 1969 से 1972 के बीच उन्होंने लगातार 15 सुपरहिट फिल्में देकर एक ऐसा रिकॉर्ड बनाया, जिसे आज भी कोई नहीं तोड़ पाया है। 'आराधना', 'आनंद', 'अमर प्रेम', 'हाथी मेरे साथी' जैसी फिल्मों ने उन्हें घर–घर में लोकप्रिय बना दिया। इसी दौर में उन्हें भारत का पहला सुपरस्टार कहा जाने लगा। राजेश खन्ना का जन्म 29 दिसंबर 1942 को जतिन खन्ना के रूप में हुआ था। बाद में उन्हें गोद ले लिया गया। बचपन से ही उनका झुकाव अभिनय की ओर था और स्कूल के दिनों में उन्होंने कई नाटकों में हिस्सा लिया। जब उन्होंने फिल्मों में करियर बनाने का फैसला किया, तो उनके चाचा ने उनका नाम बदलकर राजेश खन्ना रख दिया। फिल्मी करियर की शुरुआत में राजेश खन्ना ने 'बहारों के सपने', 'औरत', 'डोली' और 'इत्तेफाक' जैसी फिल्मों में काम किया। हालांकि, साल 1969 में शर्मिला टैगोर के साथ आई फिल्म 'आराधना' ने उनकी किस्मत बदल दी और वह रातों–रात सुपरस्टार बन गए। राजेश खन्ना का निधन साल 2012 में 69 वर्ष की उम्र में मुंबई में हुआ, लेकिन उनकी फिल्मों और किरदारों की चमक आज भी कायम है। वहीं, जैकी श्रॉफ के काम की बात करें तो एक्टर को हाल ही में फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' में देखा गया है, जिसमें उन्होंने एक पिता की भूमिका निभाई। यह फिल्म 25 दिसंबर को रिलीज हुई थी और इसे समीर विद्वांस ने निर्देशित किया है।

> “
> जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर राजेश खन्ना की एक तस्वीर के साथ एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो के बैकग्राउंड में सुपरहिट गीत 'चला जाता हूंइ' सुनाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में उन्होंने लिखा कि वह राजेश खन्ना को उनकी बर्थ एनिवर्सरी पर याद कर रहे हैं।

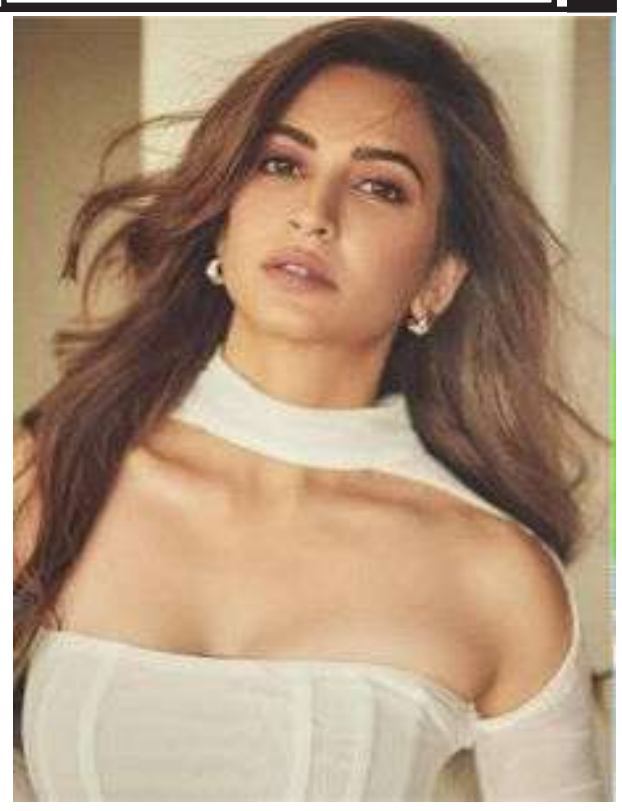

व्हाट्सऐप पर कृति खरबंदा के नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर हुई लोगों को ठगने की कोशिश, एक्ट्रेस ने फैंस को किया सतर्क

पिछले काफी समय से देखने में आया है कि सेलिब्रिटीज और सार्वजनिक हस्तियों के नाम पर ऑनलाइन ठगी और झूठी पहचान का मामला लगातार बढ़ता जा रहा है। अब तक फिल्म इंडस्ट्री की कई एक्ट्रेसेस ठगी का शिकार होते होते बची हैं। वहीं, अब हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा ने एक गंभीर साइबर धोखाधड़ी मामले को लेकर अपने फैंस और फॉलोअर्स को सतर्क किया है। कृति खरबंदा ने खुलासा किया है कि कोई अज्ञात व्यक्ति व्हाट्सऐप पर उनके नाम से फर्जी अकाउंट बनाकर लोगों से संपर्क कर रहा है। कृति खरबंदा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर संदिग्ध ा व्हाट्सऐप चौट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए साफ किया कि वह नंबर उनका नहीं है। इसके साथ उन्होंने लिखा, "यह ठीक नहीं है। यह बिल्कुल भी सही नहीं है। यह मेरा नंबर नहीं है। किसी और की पहचान बनकर सामने आना साफ तौर पर पहचान की चोरी है। सतर्क रहें।" हालांकि कृति खरबंदा ने यह स्पष्ट नहीं किया कि इस मामले में उन्होंने कोई शिकायत दर्ज कराई गई है या नहीं, लेकिन उन्होंने अपने फैंस को जरूर सतर्क कर दिया है। ऐसे में सोशल मीडिया पर यूजर्स उन्हें जानकारी देने के लिए धन्यवाद कर रहे हैं। वहीं, कइयों ने तो ऑनलाइन ठगी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग भी की है। बता दें, बॉलीवुड और कन्नड़ सिनेमा में अपने काम से पहचान बना चुकीं कृति खरबंदा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ खुद से जुड़े अपडेट शेयर करती रहती हैं।

सलमान खान के 'बैटल ऑफ गलवान' टीजर के दिल जीतने की 5 वजहें

सलमान खान ने अपने जन्मदिन पर बैटल ऑफ गलवान का टीजर रिलीज किया, लेकिन यह सिर्फ जश्न का पल नहीं था। दर्शकों को जो मिला, वह भारत के सीमाओं पर तैनात जवानों और उनके अटूट हौसले को समर्पित एक भावुक और असरदार सलाम था। यह टीजर सादगी, सच्चाई और मजबूती से भरा हुआ है, जो इसे आम वॉर फिल्मों से अलग बनाता है। आइए जानते हैं वे 5 वजहें, जिनकी वजह से यह टीजर खास बन जाता है।

1. भारतीय सेना की वर्दी में सलमान खान बेहद प्रभावशाली लगते हैं

भारतीय सेना की वर्दी में सलमान खान को देखते ही सम्मान का भाव आता है। उनका सादा लेकिन अनुभवी लुक, शांत हाव–भाव और संयमित गुस्सा यह दिखाता है कि उनका किरदार अनुभव से निकला हुआ एक सच्चा सिपाही है, न कि सिर्फ दिखावे वाला हीरो। यह उनके अब तक के सबसे गंभीर और दमदार किरदारों में से एक लगता है।

2. पीछे मुड़कर देखने वाला सीन रोंगटे खड़े कर देता है

टीजर का सबसे असरदार पल वह है, जब सलमान खान पीछे मुड़कर कैमरे की ओर देखते हैं। न कोई डायलॉग, न कोई बड़ा ड्रामाकृबस एक तीखी और अडिग नजर। उस एक नजर में गुस्सा, हिम्मत और बलिदान सब कुछ झलकता है, जो लंबे समय तक याद रह जाता है।

3. आखिरी डायलॉग दिल में उतर जाता है

टीजर का अंत शोर–शराबे के बजाय गहरी शांति और गंभीरता के साथ होता है। सलमान खान का डायलॉग, "मौत से क्या डरना," बहुत सादगी से कहा गया है, लेकिन उसका असर बेहद गहरा है। यह लाइन जवानों की निडरता और साहस को बखूबी दिखाती है।

4. सच्चे और कच्चे विजुअल्स टीजर को वास्तविक बनाते हैं

टीजर में दिखाए गए दृश्य बेहद रॉ और असली लगते हैं। ऊँचाई वाले इलाकों की कठिन परिस्थितियाँ और कठोर जमीन बिना किसी सजावट के दिखाई गई हैं। यह दर्शकों को जंग की सच्चाई और उसकी कीमत का एहसास कराता है। साथ ही यह भारत के उस क्षेत्र की खूबसूरती भी दिखाता है।

5. कहानी को दबाए बिना भावनाएँ जगाने वाला संगीत

स्टेबिन बेन की आवाज टीजर में भावनात्मक गहराई जोड़ती है, जबकि हिमेश रेशमिया का दमदार बैकग्राउंड स्कोर दृश्य की तीव्रता को और बढ़ाता है। संगीत असरदार है, लेकिन कहानी पर हावी नहीं होता।

बैटल ऑफ गलवान सिर्फ एक वॉर फिल्म नहीं लगती, बल्कि यह भारत के जवानों और उनके बलिदान को दिल से किया गया सलाम है।

अपुर्व लाखिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म बहादुरी, त्याग और जज्बे की सच्ची कहानी दिखाने का वादा करती है। फिल्म में चित्रांगदा सिंह भी अहम भूमिका में हैं और इसे सलमान खान फिल्म्स के बैनर तले सलमा खान ने प्रोड्यूस किया है।

इस करीबी को खोने से टूटे वरुण धवन, पोस्ट शेयर कर लिखा–आज स्वर्ग को एक और फरिश्ता मिल गया

साल 2025 जाते–जाते बॉलीवुड एक्टर वरुण धवन से उनका बेहद करीबी छीन ले गया, जिसे खोने से वे बुरी तरह टूट गए हैं। दरअसल वरुण धवन के बेहद क्लोज पेट डॉग का हाल ही में निधन हो गया है, जिसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी है। वरुण धवन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उनके पेट डॉग के साथ उनकी कई तस्वीरें और यादें हैं। इस वीडियो में उनकी पत्नी नताशा दलाल भी नजर आ रही हैं। इस वीडियो को पोस्ट करते हुए वरुण ने लिखा है–आरआईपी एंजल। आज स्वर्ग को एक और फरिश्ता मिल गया है। एक शानदार पपी और जोई की बेहतरीन बहन बनने के लिए तुम्हारा बहुत बहुत शुक्रिया। हम तुम्हें बहुत याद करेंगे एंजल। अच्छा फिर मिलेंगे। बता दें, वरुण धवन अपने पेट डॉग एंजल के बेहद क्लोज थे। वे अक्सर अपने पेट के साथ तस्वीरें और वीडियोज सोशल मीडिया पर शेयर करते रहते थे। अब पेट डॉग के जाने से वरुण बुरी तरह टूट गए हैं। काम की बात करें तो वरुण धवन जल्द ही फिल्म बॉर्डर 2 में नजर आने वाले हैं, जिसका वे इन दिनों प्रमोशन चल रहा है। फिल्म में वो सनी देओल , अहान शेट्टी और दिलजीत दोसांझ के साथ नजर आएंगे। फिल्म 23 जनवरी 2026 को रिलीज होगी।

अंधविश्वास और सच्चाई के टकराव की कहानी, बड़े पर्दे पर दस्तक देने जा रही है फिल्म 'सागवान'

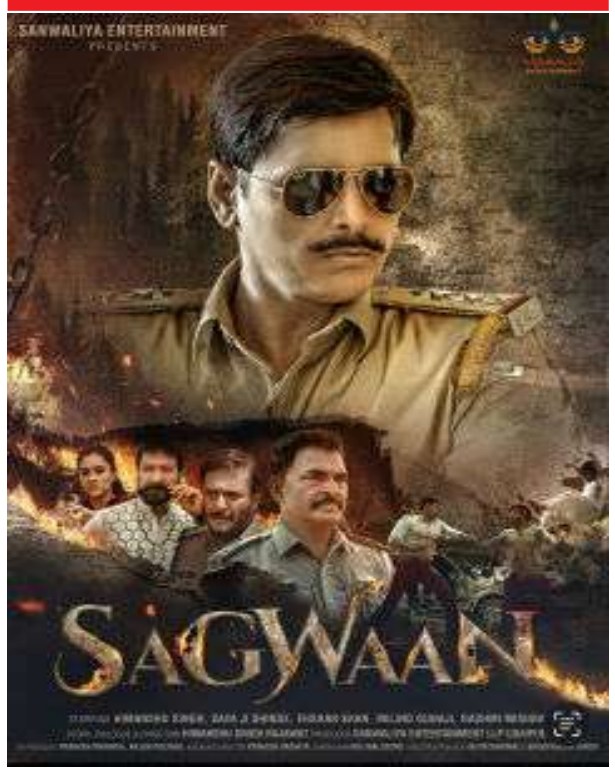

कुछ कहानियां किताबों में दर्ज नहीं होतीं, कुछ फाइलों में दबकर रह जाती हैं और कुछ समाज के डर, आस्था और सच्चाई के टकराव से जन्म लेती हैं। ऐसी ही एक कहानी अब सिनेमाघरों तक पहुंचने वाली है। फिल्म 'सागवान' अंधविश्वास, भय और इंसानी सोच की गहराइयों को उजागर करती है। फिल्म 'सागवान' किसी एक सच्ची घटना पर आधारित नहीं है, बल्कि उन तमाम अनुभवों से प्रेरित है जो अक्सर समाज के हाशिये पर दबा दिए जाते हैं। यह कहानी उन हालातों को सामने लाती है, जहां डर और अंधविश्वास इंसान को सही और गलत के फर्क से दूर कर देते हैं। फिल्म किसी धर्म, व्यक्ति या समुदाय को निशाना बनाए बिना समाज से एक अहम सवाल पूछती है– क्या हम आज भी अंधविश्वास के साए में जी रहे हैं? फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं पुलिस अधिकारी हिमांशु सिंह राजावत, जिन्होंने अभिनय के साथ–साथ फिल्म की कहानी, संवाद और निर्देशन की कमान भी संभाली है। उनके मुताबिक,"यह फिल्म किसी एक केस की कहानी नहीं है, बल्कि एक पुलिस अफसर के पूरे करियर में देखे गए अनुभवों का सार है।"इसी वजह से फिल्म का हर दृश्य सच्चाई के बेहद करीब महसूस होता है।'सागवान' यह दिखाती है कि कैसे डर, तंत्र–मंत्र और अंधविश्वास इंसान को सच से दूर ले जाते हैं। फिल्म सवाल उठाती है कि क्या आस्था के नाम पर इंसानियत की बलि दी जा सकती है और क्या समय पर कानून हस्तक्षेप करे तो हालात बदले जा सकते हैं। फिल्म में हिमांशु सिंह राजावत के साथ सयाजी शिंदे, एहसान खान, मिलिंद गुणाजी और रश्मि मिश्रा अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। सभी कलाकारों ने अपने किरदारों को संवेदनशीलता और सच्चाई के साथ निभाया है, जिससे कहानी और भी प्रभावशाली बनती है।

किचन की ये 2 चीजें बदल देंगी आपके पैरों का हालः घर पर ऐसे करें पेडिक्योर, पाएं बेमिसाल खूबसूरत पैर

स्किनकेयर की जब बात आती हैं, तो हम बस चेहरे की देखभाल करने में लग जाते हैं, लेकिन पैरों की सुंदरता तो भूल ही जाते हैं। कभी–कभार पार्लर जाकर पैरों के लिए पेडिक्योर करा लेते हैं। गौरतलब है कि पेडिक्योर कराने से पैर साफ और खूबसूरत दिखाई देते हैं, लेकिन हर बार पार्लर जाना जरूरी नहीं होता। ऐसे में हम घर पर मौजूद चीजों का इस्तेमाल करके भी पैरों की अच्छी देखभाल कर सकते हैं। किचन में रखी हल्दी और नींबू की मदद से आप आसानी से पैरों की सुंदरता बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कि हल्दी और नींबू का उपयोग करके घर पर पेडिक्योर कैसे किया जाए।

पेडिक्योर करने के लिए क्या चीजें जरुरी होती है?

– पेडिक्योर करने के लिए आपको 1 चम्मच हल्दी की जरुरत पड़ेगी।

– अब आधा कटा हुआ नींबू भी चाहिए और थोड़ा सा शैंपू।

– पानी के साथ ही आपको एक स्क्रब की जरुरत पड़ेगी।

घर पर कैसे करें पेडिक्योर?

– सबसे पहले आपको एक कटा हुआ नींबू लेने है।

– इसमें आपको हल्दी को डालना है।

– फिर इसमें शैंपू को मिक्स करना है।

– अब इसको अपने पैरों पर रब करना है।

– इसका थोड़ी देर लगा रहने दें। फिर पैरों को पानी से साफ कर लें। इसका इस्तेमाल करने के बाद आपको अपने पैरों साफ नजर आएगा।

– इसके साथ ही आपको पार्लर जाकर डेड स्किन या पैरों की टैनिंग को दूर करवाने के लिए पेडिक्योर करवाने की जरुरत नहीं पड़ेगी।

बनाएं रेस्टोरेंट स्टाइल भटूरे घर पर! आटा गूंथने के ये 2 काम कर देंगे कमाल, फुलावट देख हैरान रह जाएंगे

छोले–भटूरे का नाम सुनते ही हर किसी के मुंह में पानी आ ही जाता है। यह इतने टेस्टी होते है कि मुंह में घुलेते ही स्वाद आ जाता है। अब हर कोई बाहर जैसे छोले भटूरे घर में जरुर ट्राई करता है, लेकिन रेस्तरांजैसे भटूरे बिल्कुल भी नहीं बनते हैं। अक्सर भटूरे बनाते समय या तो ये सख्त हो जाते हैं या फिर पिचके–पिचके बन जाते हैं। जब हम बाजार जाते हैं तो हलवाई की दुकान पर फूले–फूले भटूरे जरुर खाते हैं। लेकिन घर पर भटूरे फूले बनाना झंझट का काम बन जाता है। अगर आप भी घर पर एकदम गुब्बारे जैसे फूले–फूले भटूरे बनाना चाहते हैं, तो एक बार इन टिप्स को जरुर फॉलो करें। हलवाई जैसा फूला और मुलायम भटूरा बनाने के लिए सबसे जरूरी होता है सही तरीके से आटा तैयार करना। अक्सर लोग भटूरे को फुलाने के लिए मैदे में दही और बेकिंग पाउडर तो मिला देते हैं, लेकिन सामग्री का सही संतुलन न होने की वजह से भटूरे अच्छे से नहीं फूलते और चपटे रह जाते हैं। अगर आप भी चाहती हैं कि आपके भटूरे बिल्कुल बाजार जैसे सॉफ्ट और फ्लफी बनें, तो आटा गूंथते समय दो खास बातों का ध्यान जरूर रखें।

सूजी और उबले आलू का इस्तेमाल

वैसे तो लोग भटूरे बनाने के लिए मैदा का इस्तेमाल करते हैं। अब ऐसे में भटूरे कभी–कभी खिंचे–खिंचे या चपटे रह जाते हैं। अगर आप भी हलवाई जैसा टेक्सचर पाना चाहते हैं, तो मैदा गूंथते समय उसमें थोड़ी बारीक सूजी और उबला हुआ आलू जरुर मिलाएं। ऐसा करने से भटूरा एकदम फूले–फूले बनेंगे। क्योंकि सूजी भटूरे में कुरकुरापन देती है और उसे ज्यादा देर तक फूला हुआ रखने में मदद करती है, वहीं उबला आलू भटूरे के अंदर नमी बनाए रखता है।

गुनगुने पानी और चीनी का इस्तेमाल

ज्यादातर लोग भटूरे का आटा गूंथते समय दही का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन फिर भी फूले हुए भटूरे नहीं बनते। अब आप फूले हुए भटूरे बनाने के लिए पानी और चीनी का घोल इस्तेमाल कर सकती हैं। सबसे पहले आटा गूंथने से पहले थोड़े से गुनगुने पानी में एक चम्मच चीनी घोल लें। क्योंकि खमीर उठाने की प्रक्रिया को तेज करती हैं और भटूरों को तलते समय एक खूबसूरत सुनहरा रंग भी दे सकते हैं। इसी पानी के साथ दही और तेल का इस्तेमाल करें। आटे को ज्यादा सख्त भी न गूंथे, इसे थोड़ा नरम और लचीला रखें।

भटूरे बनाने का सही तरीका

– सबसे पहले आप एक परात में जरुरत के हिसाबह से मैदा लें। इसके बाद इसमें ऊपर बताई दोनों से एक तारीको जरुर अपनाएं।

– अब गुनगुने पानी से नरम आटा गूंथ लें।

– फिर आटे को 5–7 मिनट तक हथेलियों से मसलें और पटक–पटक कर गूंथे।

– आटे के ऊपर थोड़ा सा तेल लगाकर गीले कपड़े से 2 से 3 घंटे के लिए ढककर रख दें।

– अब भटूरे तलने के लिए तेल को तब तक गर्म करें, जब तक धुआं न निकले।

– जब भटूरा तेल में डालें, तो इसे कलछी से हल्का सा दबाएं, वह तुरंत गुब्बारे की तरह फूल जाएगा।

चेहरे पर इंस्टेंट ग्लो चाहिए, घर पर बनाएं ये 5 जादुई फेस पैक, पार्टी रेडी स्किन मिनटों में

आज हम आपको 5 ऐसे ही बेस्ट फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं। इनको फेस पर लगाते ही आपकी स्किन ग्लो करने लगती है। अगर आपको किसी पार्टी में जाना हो या फिर डेट पर जा रही हैं, तो इन फेस पैक्स को लगाने से आपकी स्किन निखरने लगती है।

इंस्टेंट ग्लो पाने का सबसे अच्छा तरीका चेहरे पर फेस पैक लगाना है। फेस पैक बनाना आसान होता है और इनको फेस पर लगाना भी आसान है। वहीं सिर्फ 15–20 मिनट में ही इसका असर नजर आने लगता है। लेकिन मार्केट से खरीदे गए फेस पैक्स में कृत्रिम रंग, केमिकल्स और सुगंध होती है। इससे स्किन पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसलिए घर पर बने फेस पैक सबसे ज्यादा अच्छे होते हैं। वहीं आजकल सेलिब्रिटीज भी घर पर बने फेस पैक्स को चेहरे पर लगाना पसंद करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको 5 ऐसे ही बेस्ट फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं। इनको फेस पर लगाते ही आपकी स्किन ग्लो करने लगती है। अगर आपको किसी पार्टी में जाना हो या फिर डेट पर जा रही हैं, तो इन फेस पैक्स को लगाने से आपकी स्किन निखरने लगती है, जैसे आपने अभी–अभी फेशियल करवाया हो।

इंस्टेंग ग्लो पाने के लिए फेस पैक्स

हल्दी का फेसपैक

हल्दी अपने औषधीय गुणों के लिए जानी जाती है। स्किन को निखारने के लिए दादी–नानी भी अपने समय में हल्दी का इस्तेमाल किया करती थीं। इस फेस पैक में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं। यह स्किन को नुकसान पहुंचाने वाले फ्री रेडिकल्स से दूर रखते हैं। यह फेस पैक बनाने के लिए आधा चम्मच हल्दी लेकर इसमें एक चम्मच गुलाबजल और थोड़ा सा दूध मिला लें। हल्दी से आपका चेहरा पीला न पड़े, इसलिए इस पैक को चेहरे पर 10–15 मिनट लगाने के बाद फेस वॉश कर लें।

बेसन का फेस पैक

स्किन को निखारने में बेसन भी कमाल का असर दिखाता है। बेसन के एक्सफोलिएटिंग गुण टैनिंग को दूर करते हैं। वहीं फेस पर जमी डेड स्किन सेल्स को हटाकर त्वचा को ग्लोइंग बनाते हैं। अगर आपका फेस मुरझाया लग रहा है, तो आप इस फेस पैक को लगा सकती हैं। 2 चम्मच बेसन में एक चम्मच दही और थोड़ी सी हल्दी मिलाकर फेस पर 15 मिनट के लिए अप्लाई करें। इससे आपकी स्किन पर नेचुरली ग्लो आएगा।

मुल्तानी मिट्टी फेस पैक

फेस से चिपचिपाहट हटाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी का फेस पैक लगा सकती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमे जरूरत के हिसाब से गुलाबजल मिलाकर पैक तैयार कर लें। इसको फेस पर 15–20 मिनट लगाकर रखें और फिर चेहरे को धो लें। इससे आपके चेहरे पर चिकनाहट नहीं दिखेगी। वहीं यह फेस पैक ऑयली स्किन के लिए अच्छा है।

टमाटर का फेस पैक

टमाटर भी टैनिंग को कम करता है। इस फेस पैक से स्किन एक्सफोलिएटिंग गुण मिलते हैं। आप चाहें तो सादा टमाटर भी फेस पर लगा सकते हैं या फिर टमाटर के गूदे में शहद डालकर इस फेस पैक को चेहरे पर अप्लाई करें। इससे आपकी स्किन खिल उठेगी।

कॉफी का फेस पैक

जिस तरह से कॉफी इंस्टेंट ली जाती है, उसी तरह से इंस्टेंट ग्लो के लिए भी आप कॉफी का फेस पैक बनाकर लगा सकती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए 2 चम्मच कॉफी पाउडर जरूरत के हिसाब थोड़ी सी हल्दी और शहद मिलाएं। फिर इस पैक को चेहरे पर लगाकर 15 मिनट बाद धो लें। इस फेस पैक लगाते समय ध्यान रखें कि आप हल्के गीले चेहरे पर इसको लगाएं, इससे लगाना आसान होगा। वहीं फेस वॉश करते समय ज्यादा तेज से स्किन को न रगड़ें, क्योंकि कॉफी स्किन को एक्सफोलिएट करता है और रगड़ने से त्वचा पर कट्स लग सकते हैं।

नई स्टडी में खुलासाः कम स्पर्म काउंट वालों में मौत का खतरा ज्यादा

अब तक पुरुषों की फर्टिलिटी यानी प्रजनन क्षमता को सिर्फ पिता बनने की योग्यता से जोड़कर देखा जाता था, लेकिन अमेरिका की यूटा यूनिवर्सिटी की एक नई और बड़ी स्टडी ने इस सोच को पूरी तरह बदल दिया है। इस शोध के मुताबिक, पुरुषों के स्पर्म की गुणवत्ता सिर्फ संतान से नहीं, बल्कि पूरे परिवार की सेहत और जीवन प्रत्याशा से भी गहराई से जुड़ी हो सकती है।

क्या कहती है यह नई स्टडी?

यह रिसर्च पापुलेशन डाटाबेस के जरिए की गई, जिसमें साल 1996 से 2017 के बीच स्पर्म टेस्ट कराने वाले पुरुषों और उनके तीन पीढ़ियों के करीब 6.6 लाख रिश्तेदारों के स्वास्थ्य रिकॉर्ड का विश्लेषण किया गया।

रिसर्चर्स ने पुरुषों को तीन कैटेगरी में बांटा

एजोस्पर्मियाः जिनके वीर्य में स्पर्म बिल्कुल नहीं थे।

ओलिगोस्पर्मियाः जिनमें स्पर्म काउंट बेहद कम था।

नॉर्मल स्पर्म काउंटः जिनका स्पर्म स्तर सामान्य था।

परिवार के लिए खतरे की चेतावनी

स्टडी के नतीजे बेहद चौंकाने वाले हैं। रिसर्च में पाया गया कि जिन पुरुषों का स्पर्म काउंट कम होता है, उनके माता–पिता, भाई–बहन और बच्चों में समय से पहले मौत का खतरा उन परिवारों की तुलना में कहीं ज्यादा रहता है, जिनमें स्पर्म काउंट सामान्य होता है। इसका साफ मतलब यह है कि कम स्पर्म काउंट केवल एक व्यक्ति की प्रजनन समस्या नहीं है, बल्कि यह पूरे परिवार की सेहत और जीवन प्रत्याशा के लिए खतरे की चेतावनी हो सकती है।

किन बीमारियों से बढ़ता है मौत का जोखिम?

शोध के अनुसार, कम स्पर्म काउंट वाले परिवारों में इन बीमारियों से मृत्यु का खतरा ज्यादा देखा गया।

हृदय रोगः हार्ट अटैक और दिल से जुड़ी समस्याएं।

श्वसन संबंधी रोगः फेफड़ों और सांस की गंभीर बीमारियां।

मानसिक स्वास्थ्य समस्याएंः डिप्रेशन और मानसिक विकार।

मेटाबॉलिक डिसऑर्डरः डायबिटीज, मोटापा और पाचन से जुड़ी बीमारियां।

उम्र के साथ कैसे बढ़ता है खतरा?

रिसर्च में यह भी सामने आया कि खतरा उम्र के अलग–अलग पड़ाव पर अलग रूप में दिखाई देता है।

कम उम्र में न्यूरोलॉजिकल और जन्मजात बीमारियों का जोखिम।

बढ़ती उम्र में डायबिटीज, मेटाबॉलिक सिंड्रोम और दुर्घटनाओं का खतरा।

लाइफस्टाइल से जुड़ी बीमारियां तेजी से असर दिखाती हैं।

आखिर ऐसा क्यों होता है? जानिए वैज्ञानिक कारण

वैज्ञानिकों के अनुसार इसके पीछे तीन बड़े कारण हो सकते हैं।

जेनेटिक कारणरू जो आनुवंशिक समस्याएं फर्टिलिटी को प्रभावित करती हैं, वही आगे चलकर गंभीर बीमारियों का कारण बन सकती हैं।

पर्यावरणीय प्रभावरू प्रदूषण, केमिकल्स और टॉक्सिन्स का असर एक ही घर में रहने वाले सभी लोगों पर पड़ता है।

लाइफस्टाइल फैक्टसर्रू गलत खानपान, तनाव, धूम्रपान और फिजिकल एक्टिविटी की कमी स्पर्म क्वालिटी के साथ–साथ पूरे परिवार की सेहत बिगाड़ती है।

आम लोगों के लिए क्या है इस रिसर्च का संदेश?

यह स्टडी साफ संकेत देती है कि अगर किसी पुरुष को फर्टिलिटी से जुड़ी समस्या है, तो उसे सिर्फ संतान की चिंता तक सीमित नहीं रखना चाहिए। यह पूरे परिवार के स्वास्थ्य का अलार्म हो सकता है।

कैसे कम करें यह खतरा?

नियमित हेल्थ चेक–अप कराएं

संतुलित और पोषक आहार लें

धूम्रपान और शराब से दूरी बनाएं

तनाव कम करें और पर्याप्त नींद लें

रोजाना एक्सरसाइज और एक्टिव लाइफस्टाइल अपनाएं।

कम स्पर्म काउंट सिर्फ एक प्रजनन समस्या नहीं, बल्कि यह लंबी उम्र और पारिवारिक सेहत से जुड़ा गंभीर संकेत हो सकता है। समय रहते सही कदम उठाकर न सिर्फ अपनी, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की सेहत को भी सुरक्षित किया जा सकता है।

नहाने के बाद भी शरीर के ये 3 अंग रह जाते है गंदे

शरीर की सफाई सेहत के लिए बहुत जरूरी है और इसके लिए लोग रोज नहाते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रोज नहाने के बावजूद शरीर के कुछ अंग जैसे कान के पीछे, नाभि और पैरों की उंगलियों के बीच गंदगी रह जाती है? अगर इन हिस्सों की सफाई सही तरीके से न की जाए, तो वहां बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं। इससे त्वचा पर खुजली, लाल चकत्ते, बदबू और संक्रमण जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

कान के पीछे की सफाई

कई लोग नहाते समय कान के पीछे के हिस्से को नजरअंदाज कर देते हैं। यहां पसीना, तेल और डेड सेल्स जमा हो जाते हैं। नियमित सफाई न करने पर बैक्टीरिया और फंगस पनप सकते हैं। नहाने के दौरान हल्के हाथों से साबुन या बॉडी वॉश लगाकर कान के पीछे को अच्छे से साफ करें, फिर पानी से धोकर हल्के हाथों से सुखाएं। इससे गंदगी, बदबू और संक्रमण का खतरा कम होता है।

नाभि (बेली बटन) की सफाई

नाभि शरीर का ऐसा हिस्सा है जहां गंदगी, पसीना और साबुन के अवशेष आसानी से जमा हो जाते हैं। कई लोग इसे साफ करना भूल जाते हैं, लेकिन अगर नाभि साफ न हो तो फंगल और बैक्टीरियल इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। हफ्ते में 2–3 बार गीले कपड़े या कॉटन की मदद से हल्की सफाई करना जरूरी है।

पैरों की उंगलियों के बीच की सफाई

पैरों की उंगलियों के बीच अक्सर गंदगी और नमी जमा रहती है। अगर लंबे समय तक जूते पहनते हैं और इस हिस्से को ठीक से धोते नहीं हैं, तो यह फंगल इंफेक्शन और बदबू का कारण बन सकता है। नहाने के बाद उंगलियों के बीच साबुन लगाकर अच्छे से धोएं और पूरी तरह सुखाएं।

सही नहाने की आदत से बचें बीमारियों से

सिर्फ रोजाना नहाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नहाने का सही तरीका अपनाना भी जरूरी है। कान के पीछे, नाभि और पैरों की उंगलियों के बीच की नियमित सफाई से आप कई प्रकार के संक्रमण और त्वचा संबंधी समस्याओं से बच सकते हैं। सही तरीके से नहाना आपको साफ–सुथरा और स्वस्थ बनाए रखता है।

नोटः गर्मी और बरसात के मौसम में इन हिस्सों की सफाई पर और भी अधिक ध्यान दें, क्योंकि नमी और पसीना संक्रमण के जोखिम को बढ़ा सकते हैं।

संक्षिप्त

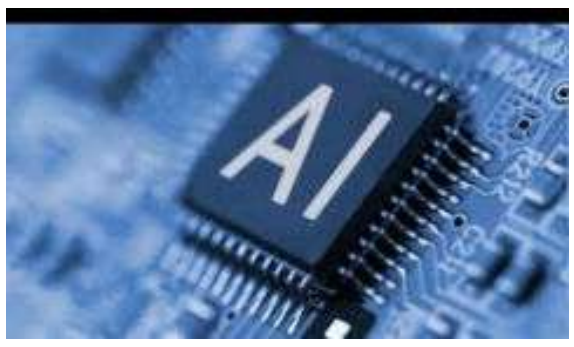

AI का नया अवतारः अब लेगा शॉपिंग के फैसले, एजेंटिक कॉमर्स का बढ़ेगा चलन

अब आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस सिर्फ सलाह देने तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि वह खुद खरीदारी करने लगा है। टेक्नोलॉजी और पेमेंट सॉल्यूशंस देने वाली कंपनी ग्लोबल पेमेंट्स इंक की हालिया रिपोर्ट में बताया गया है कि AI अब "एजेंटिक कॉमर्स" की ओर बढ़ रहा है, जहां वह इंसानों की ओर से फैसले लेकर लेनदेन भी पूरा कर सकता है। बता दें कि अब तक AI का इस्तेमाल ज्यादातर सर्च, सुझाव देने या कस्टमर सपोर्ट तक सीमित था, लेकिन अब यह खुद भुगतान करने, ऑर्डर प्लेस करने और सेवाओं को मैनेज करने लगा है। रिपोर्ट के मुताबिक, उपभोक्ता पहले ही यह समझ चुके हैं कि AI रिसर्च, तुलना और निर्णय लेने में बेहद उपयोगी हो सकता है। गौरतलब है कि रिपोर्ट में घरेलू उपयोग का भी उदाहरण दिया गया है, जहां कोई व्यक्ति AI को निर्देश दे सकता है कि वह पूरे हफ्ते का डिनर प्लान बनाए, रेसिपी सुझाए, पिछले खर्च और पसंद के आधार पर शॉपिंग लिस्ट तैयार करे और जरूरत पड़ने पर खुद ऑर्डर भी कर दे। भुगतान प्रक्रिया भी बिना बार–बार अनुमति लिए पूरी हो सकती है। मौजूद जानकारी के अनुसार, बिज़नेस सेक्टर में AI एजेंट सप्लाई मैनेजमेंट, सॉफ्टवेयर सब्सक्रिप्शन, मेंटेनेंस शेड्यूल और कर्मचारियों या गिग वर्कर्स को भुगतान तक संभालने लगे हैं। टोकनाइज्ड पेमेंट सिस्टम के जरिए ये लेनदेन ज्यादा सुरक्षित और पारदर्शी बनाए जा रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पहले कंपनियां AI का इस्तेमाल केवल कस्टमर सपोर्ट और डेटा एनालिसिस के लिए कर रही थीं, लेकिन अब AI को एक स्वतंत्र निर्णय लेने वाले एजेंट की तरह अपनाया जा रहा है। सर्वे के मुताबिक, करीब 15 फीसदी बिज़नेस इस कॉन्सेप्ट से पूरी तरह परिचित हैं, जबकि 72 फीसदी इसके बारे में कुछ हद तक जानते हैं। उपभोक्ताओं के स्तर पर AI अब ट्रैवल प्लानिंग जैसे काम भी कर रहा है। जैसे सात दिन की छुट्टी की योजना बनाना, फ्लाइट और होटल बुक करना, बजट के भीतर स्पा अपॉइंटमेंट तय करना और यहां तक कि कपड़ों की खरीदारी भी यूज़र की पसंद के अनुसार करना। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि AI अब सिर्फ ट्रांजैक्शन को नहीं बदल रहा, बल्कि यह तय कर रहा है कि लेनदेन कौन करेगा और कब करेगा। हालांकि तकनीक के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ सुरक्षा, भरोसे और नियंत्रण से जुड़े सवाल भी सामने आ रहे हैं, जिन पर आगे काम करना जरूरी होगा।

ओला इलेक्ट्रिक की 4680 भारत सेल से चलने वाली मोटरसाइकिल 'रोडस्टर एक्स+' को मिला सरकारी प्रमाणन

इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन विनिर्माता कंपनी ओला इलेक्ट्रिक की मोटरसाइकिल 'रोडस्टर एक्स+' को सरकारी प्रमाणन मिल गया है और अब इसकी आपूर्ति शुरू हो जाएगी। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि 'रोडस्टर एक्स+' (9.1 किलोवाट–घंटे) को सरकारी परीक्षण एजेंसी मानेसर स्थित 'इंटरनेशनल सेंटर फॉर ऑटोमोटिव टेक्नोलॉजी' (आईसीएटी)

से केंद्रीय मोटर वाहन नियम (सीएमवीआर), 1989 के तहत अनुमोदित किया गया है। बयान के अनुसार, " इस प्रमाणन के साथ, ओला इलेक्ट्रिक अब 'रोडस्टर एक्स+' (9.1 किलोवाट–घंटे) की आपूर्ति शुरू करेगी। यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि भारत में पूरी तरह से (इन–हाउस) विकसित 4680 भारत सेल बैटरी पैक के साथ प्रमाणित होने वाली यह पहली इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल बन गई है।" ओला इलेक्ट्रिक के प्रवक्ता ने कहा, "'रोडस्टर एक्स+' को सरकार द्वारा प्रमाणित किया जाना भारत में इलेक्ट्रिक वाहन प्रौद्योगिकी के संपूर्ण निर्माण की दिशा में ओला इलेक्ट्रिक के सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

रुपया शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 89.95 प्रति डश्लर पर

रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में तीन पैसे की बढ़त के साथ 89.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। कमजोर डॉलर और औद्योगिक उत्पादन के मजबूत आंकड़ों से घरेलू मुद्रा को बल मिला। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी पूंजी की निकासी, कच्चे तेल की कीमतों में मामूली वृद्धि और घरेलू शेयर बाजारों की कमजोर शुरुआत ने हालांकि स्थानीय मुद्रा में तेज बढ़त को सीमित कर दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.98 पर खुला। फिर बढ़कर 89.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से तीन पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 89.98 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 98.01 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार के मोर्चे पर सेंसेक्स शुरुआती कारोबार 209.32 अंक टूटकर 84,486.22 अंक पर जबकि निफ्टी 63.25 अंक फिसलकर 25,878.85 अंक पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ 61.96 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) सोमवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से2,759.89 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं खनन एवं विनिर्माण क्षेत्रों के मजबूत प्रदर्शन से नवंबर महीने में देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि दर दो साल के उच्च स्तर 6.7 प्रतिशत पर पहुंच गयी। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।

क्या हार्दिक पांड्या की टेस्ट क्रिकेट में वापसी संभवः फिटनेस बन रही बाधा ? उथप्पा ने BCCI से पूछा यह बड़ा सवाल

रॉबिन उथप्पा का मानना है कि अगर हार्दिक पांड्या फिट हैं और टेस्ट क्रिकेट में वापसी करना चाहते हैं, तो ठब्ब् उन्हें नहीं रोकेगी। 2018 के बाद से टेस्ट न खेलने वाले हार्दिक के पास अनुभव और क्षमता दोनों हैं। वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप जीतने की चाह उन्हें एक बार फिर रेड–बॉल क्रिकेट की ओर खींच सकती है।

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या की टेस्ट क्रिकेट में वापसी को लेकर एक बार फिर बहस तेज हो गई है। पूर्व भारतीय क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा का मानना है कि अगर हार्दिक पांड्या फिट हैं और टेस्ट क्रिकेट खेलने के इच्छुक हैं, तो भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्) उन्हें रोकने का कोई कारण नहीं देखेगा। उथप्पा ने कहा कि हार्दिक का टेस्ट टीम में नंबर–सात की भूमिका में लौटना शानदार होगा।

2018 के बाद नहीं खेला टेस्ट

हार्दिक पांड्या ने आखिरी बार 2018 में टेस्ट क्रिकेट खेला था। इसके बाद पीठ की गंभीर चोट के कारण वह रेड–बॉल क्रिकेट से दूर हो गए। उनकी गैरमौजूदगी में टीम इंडिया ने फास्ट–बॉलिंग ऑलराउंडर्स के विकल्प तलाशे, जिनमें नीतीश कुमार रेड्डी और शार्दुल ठाकुर प्रमुख नाम रहे हैं।

आंकड़े बताते हैं क्षमता

हार्दिक पांड्या ने अब तक भारत के लिए 11 टेस्ट मैच खेले हैं। इन मुकाबलों में उन्होंने 532 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और चार अर्धशतक शामिल हैं। गेंदबाजी में भी उन्होंने 17 विकेट झटके हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि फिट रहने पर हार्दिक टेस्ट क्रिकेट में भी टीम के लिए अहम भूमिका निभा सकते हैं।

श्फैसला हार्दिक का होगाश

अपने यूट्यूब चौनल पर बात करते हुए रॉबिन उथप्पा ने कहा, श्अगर हार्दिक पांड्या टेस्ट में नंबर–सात पर लौटते हैं तो यह शानदार होगा। क्रिकेट में कुछ भी हो सकता है। अगर

हार्दिक खेलना चाहें और वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप जीतने की इच्छा रखें, तो ठब्ब् उन्हें मना क्यों करेगी?श उथप्पा ने यह भी कहा कि बोर्ड उनसे सिर्फ फिटनेस का सबूत मांग रहा है।

गेंदबाजी लोड पर सवाल

उथप्पा के मुताबिक, टेस्ट क्रिकेट में ऑलराउंडर से प्रति पारी 12 से 15 ओवर की गेंदबाजी अपेक्षित होती है। उन्होंने कहा कि मौजूदा समय में नीतीश कुमार रेड्डी भी 20 ओवर नहीं, बल्कि लगभग 12 ओवर ही गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अगर हार्दिक आज जिस तरह फिट हैं, उसी तरह गेंदबाजी और बल्लेबाजी कर रहे हैं, तो वह यह जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

टेस्ट ग्रैंड स्लैम का सपना

उथप्पा ने यह भी जोड़ा कि हार्दिक पांड्या पहले ही कई ICC ट्रॉफी जीत चुके हैं, जिनमें एशिया कप और टी20 वर्ल्ड कप शामिल हैं। अब अगर वह वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप जीतना चाहते हैं, तो यह उनके करियर का ग्रैंड स्लैम होगा।

तेज गेंदबाजी पर उथप्पा की राय

उथप्पा ने भारतीय टेस्ट टीम की तेज गेंदबाजी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि फिलहाल उन्हें मोहम्मद सिराज और जसप्रीत बुमराह के अलावा कोई स्थायी विकल्प नजर नहीं आता। उन्होंने प्रसिद्ध कृष्णा की तारीफ की, लेकिन यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी प्रभावशीलता में अभी सुधार की गुंजाइश है।

ताजा रैंकिंग में भारतीय महिला क्रिकेटरों का जलवा; शेफाली–रेणुका की छलांग, दीप्ति नंबर–एक पर कायम

दुबई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की आक्रामक ओपनर शेफाली वर्मा ने आईसीसी महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में शानदार छलांग लगाई है। 21 वर्षीय शेफाली नवीनतम बल्लेबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर छठे स्थान पर पहुंच गई हैं। श्रीलंका के खिलाफ टी20 सीरीज में लगातार अर्धशतकीय पारियों ने उनकी रैंकिंग में यह उछाल दिलाया। शेफाली ने दूसरे टी20 में 34 गेंदों पर नाबाद 69 रन बनाए, इसके बाद तिरुवनंतपुरम में खेले गए तीसरे और चौथे मुकाबले में क्रमशः 42 गेंदों पर नाबाद 79 और 46 गेंदों पर नाबाद 79 रन की विस्फोटक पारियां खेलीं। इन प्रदर्शनों ने उन्हें फिर से दुनिया की शीर्ष बल्लेबाजों में शुमार कर दिया है।

स्मृति मंधाना स्थिर, जेमिमा को झटका

भारतीय टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना ने अपने फॉर्म में वापसी करते हुए चौथे टी20 में शानदार 80 रन बनाए। इसके बावजूद वह बल्लेबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर बरकरार हैं। वहीं, मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज जेमिमा रॉड्रिग्स को एक पायदान का नुकसान हुआ है और वह खिसककर 10वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

गेंदबाजी में दीप्ति शर्मा का दबदबा

गेंदबाजों की रैंकिंग में अनुभवी ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा है। वह लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर नंबर–1 बनी हुई हैं। उनके साथ तेज गेंदबाज रेणुका सिंह ठाकुर भी टॉप–10 में शामिल हो गई हैं। रेणुका ने आठ स्थान की लंबी छलांग लगाते हुए संयुक्त रूप से छठा स्थान हासिल किया है। तीसरे टी20 में उनका 4 विकेट पर 21 रन का मैच जिताऊ स्पेल भारत की आठ विकेट की जीत और सीरीज जीत में निर्णायक साबित हुआ।

युवा स्पिनरों को मिला फायदा

भारत की युवा बाएं हाथ की स्पिनर श्री चरणी और वैष्णवी शर्मा को भी रैंकिंग में फायदा हुआ है। श्री चरणी 17 पायदान ऊपर चढ़कर 52वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि वैष्णवी शर्मा ने अपने पहले अंतरराष्ट्रीय सीरीज में 390 स्थान की जबरदस्त छलांग लगाते हुए 124वां स्थान हासिल किया है। भारत इस समय पांच मैचों की सीरीज में 4–0 की बढ़त बनाए हुए है।

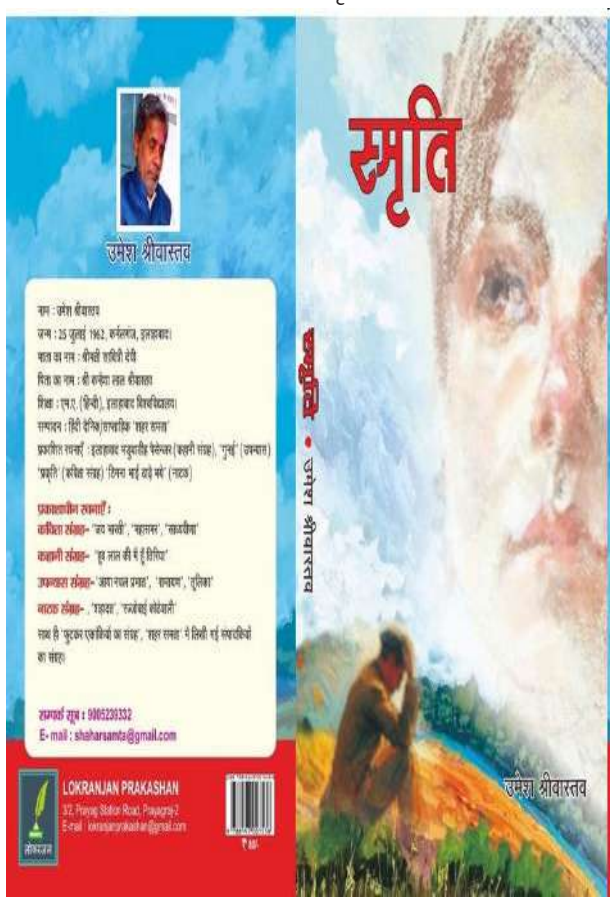

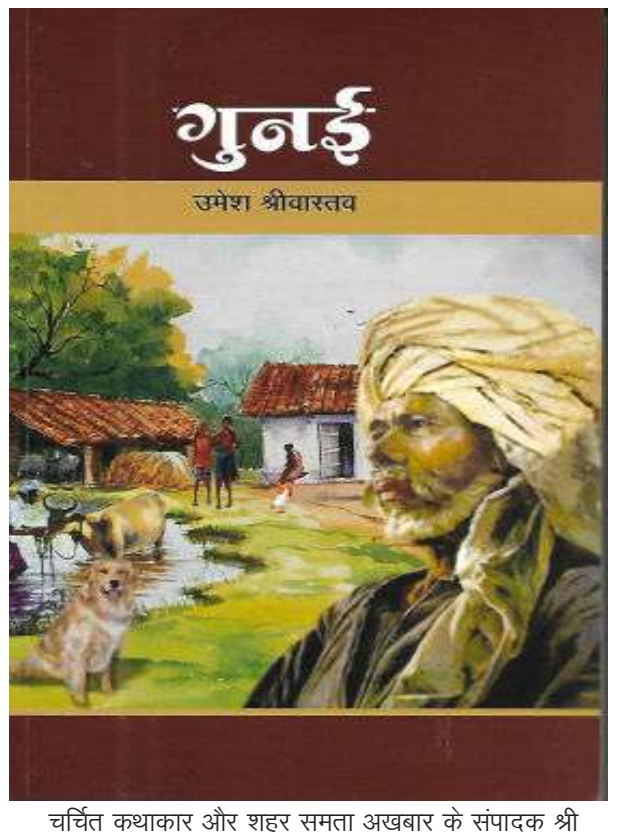

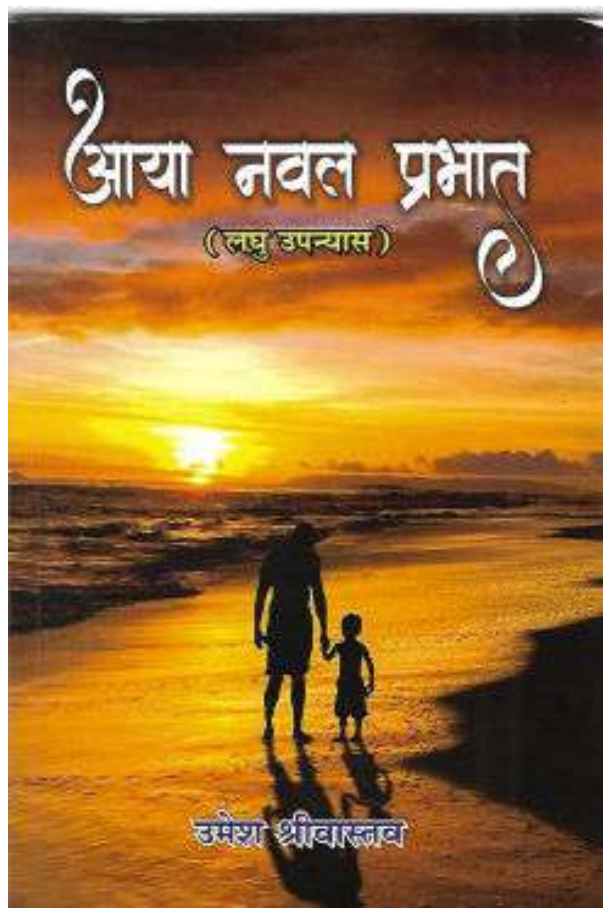

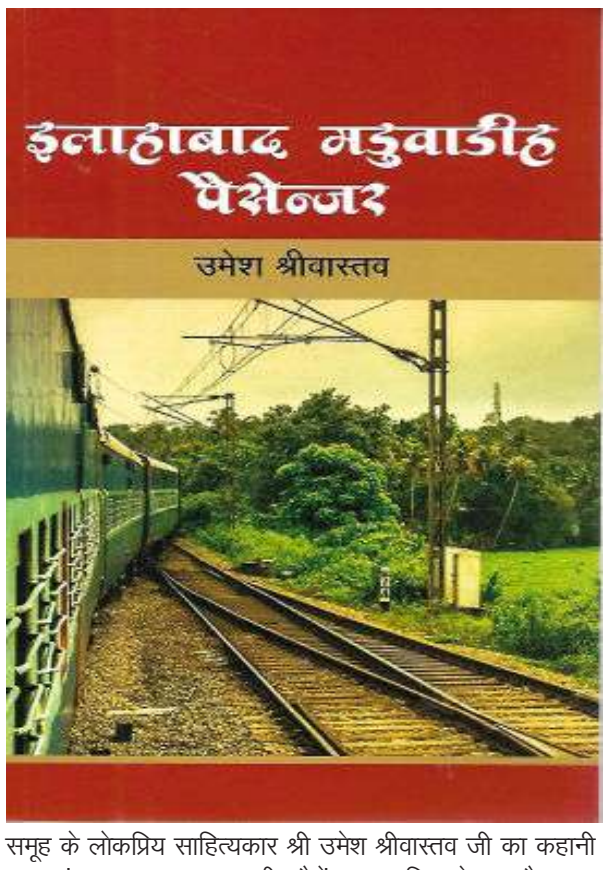

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

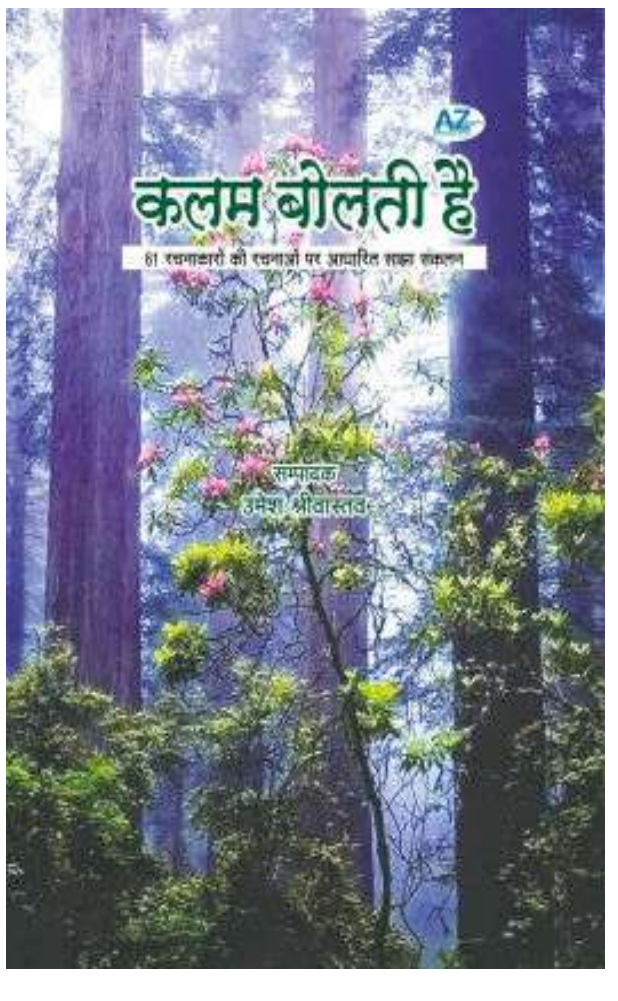

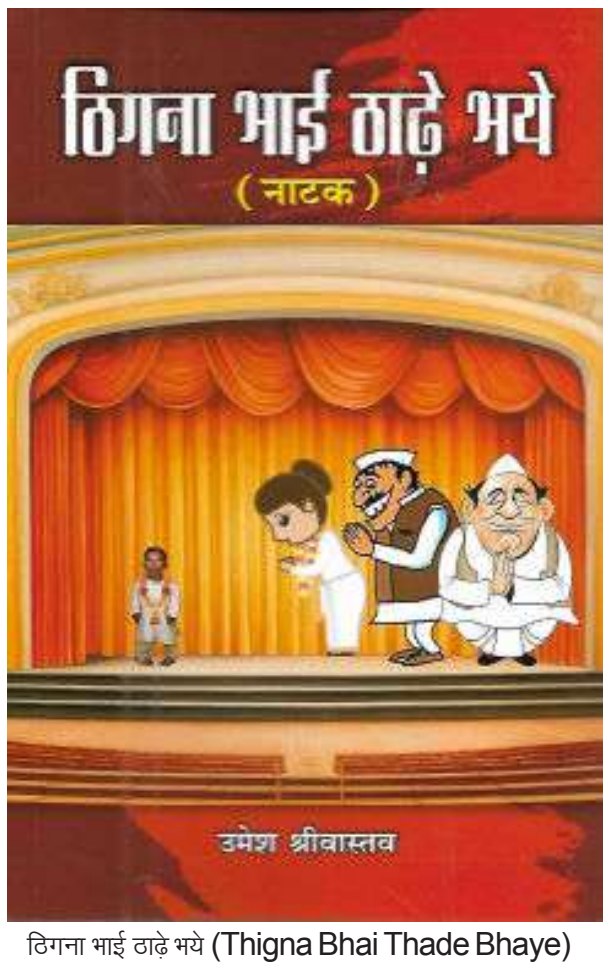

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

मुसलमानों को ऐसी खतरनाक सजा दे रहा चीन! जानकर कांप जाएगी दुनिया

चीन अपने ही स्तर पर कट्टरपंथियों और उईगर मुसलमानों को दौड़ा–दौड़ा कर पीट रहा है। एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक चीन कई देशों में रहने वाले उईगर मुसलमानों को दबोच रहा है ताकि उन्हें सजा दी जा सके। यह होश उड़ा देने वाली खबर भारत के वामपंथियों और कट्टरपंथियों को भी हिला देगी। क्योंकि चीन एक तरफा सेकुलरिज्म के जाल में नहीं फंसा। मुसलमानों पर एक ऐसा नया ऐलान सामने आया है जिसने पूरी दुनिया में जबरदस्त तहलका मचा दिया है। करीब सवा5 करोड़ मुस्लिम पर बहुत बड़ी मुश्किल आ गई है। जिसके बाद मुसलमानों पर खतरा और भी ज्यादा तेज हो गया है। दरअसल चीन ने उईगर मुसलमानों को सजा देने के लिए एक नई घोषणा की है और प्लान तैयार किया है। जिसने कई देशों को हिला कर रख दिया। खासकर मुस्लिम देश चीन ने अब उइगर मुसलमानों पर नया एक्शन लेते हुए जो प्लान तैयार किया है उसने पूरी दुनिया को चौंका दिया। चीन से भागे उईगर मुसलमानों को पकड़ने के लिए, उन्हें सजा देने के लिए अब उन्हें विदेशों से खदेड़ कर वापस चीन में लाया जा रहा है। चीन में हो रहे इस मुसलमानों के अत्याचार पर सभी मुस्लिम देश चुप होकर बैठे हैं। अपने मुंह को सिले बैठे हैं। ना कोई सवाल, ना कोई एक्शन, ना कोई भी किसी भी तरीके की कोई भी प्रतिक्रिया। चीन में करीब बता दें कि सवा5 करोड़ मुस्लिम रहते हैं और यह पूरी दुनिया जानती है कि चीन में मुसलमानों को धार्मिक रीति–रिवाज का पालन करने की छूट कभी नहीं दी गई। दाढ़ी बुर्के तक के लिए चीन की नीतियां वहां पर मुसलमान मानते हैं। मस्जिदों के डिजाइन तक यह लोग पारंपरिक तरीके से चीन में नहीं बना सकते। इसमें भी शिनजियांग में रहने वाले उईगरों पर खास पाबंदी है। चीनी संस्कृति सिखाने के नाम पर साल 2017 से लेकर साल 2019 के दौरान 2 साल में चीन ने करीब 10 लाख उगरों को डिटेंशन कैंप में डाला। इनमें से बहुतों से उन्होंने जबरन मजदूरी भी करवाई। चीनी निगरानी के बावजूद कई सारे उगर मुसलमान जो है वह विदेशों में भागने में कामयाब रहे और अमेरिका और यूरोप जैसे जो तमाम देश हैं वहां पर उन्हें शरण भी मिली। हालांकि अब चीन इनकी वापसी का दबाव बना रहा है। चीन नहीं चाहता कि यह जो मुसलमान हैं, वह बाहर जाकर विदेशों में जाकर चीन के बारे में कोई भी गलत बात कहे या चीन के खिलाफ एक नरेटिव भी सेट कर पाए। इस्लामिक देश का खलीफा मानने वाला तुर्की भी चीन के इस एक्शन पर एकदम चुप है। रिपोर्ट में दावा किया गया कि तुर्की में उईगरों के जबरन चीन वापसी के लिए फॉर्म भरवाया जा रहा है। जबरन उन्हें चीन भेजा जा रहा है। इस लिस्ट में और भी देश शामिल है जैसे कि थाईलैंड, यूरोप और अमेरिका। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि फरवरी में थाईलैंड ने भी 40 उगरों को चीन वापस भेजा था जबरन। अमेरिका और यूरोप की नई प्रवासी नीतियों के चलते भी उइगरों को शरण मिलना अब मुश्किल हो गया है। तुर्की के राष्ट्रपति एर्दोगन खुद को इस्लामिक देशों का खलीफा बनाना चाहते हैं। पाकिस्तान तो तुर्की को इस्लाम का सबसे मजबूत रखवाला बोलता है। लेकिन यही तुर्की जान बचाकर भागे उईगर मुसलमानों को वापस मौत के मुंह में धकेल रहा है। आरोप है कि तुर्की में उईगर मुसलमानों से जबरन चीन वापसी के फॉर्म भरवाए जा रहे हैं।

संक्षिप्त

डोनाल्ड ट्रंप ने नेतन्याहू का स्वागत किया, ईरान को फिर से परमाणु कार्यक्रम शुरू करने के खिलाफ चेतावनी दी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्यापक वार्ता के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का फ्लोरिडा स्थित अपने आवास में स्वागत किया और ईरान को उसका परमाणु कार्यक्रम फिर से शुरू करने के खिलाफ चेतावनी दी। ट्रंप ने यह चेतावनी ऐसे समय में दी है जब ट्रंप लगातार यह दावा करते रहे हैं कि जून में ईरान के प्रमुख परमाणु संवर्धन स्थलों पर अमेरिकी हमलों से तेहरान की परमाणु क्षमताएं ''पूरी तरह से खत्म'' हो गई हैं। हालांकि, इजराइली अधिकारियों के हवाले से स्थानीय मीडिया में ऐसी रिपोर्ट हैं कि ईरान इजराइल पर हमला करने में सक्षम लंबी दूरी की मिसाइलें फिर से तैयार कर सकता है। नेतन्याहू के 'मार–ए–लागो एस्टेट' पहुंचने के तुरंत बाद ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा,''अब मैं सुन रहा हूं कि ईरान फिर से निर्माण करने की कोशिश कर रहा है और अगर वे ऐसा कर रहे हैं तो हमें उन्हें कुचलना पड़ेगा। हम उन्हें कुचल देंगे। हम उन्हें बुरी तरह से हरा देंगे लेकिन उम्मीद है कि ऐसा नहीं हो रहा।'' ईरान का कहना है कि वह देश में किसी भी स्थल पर अब यूरेनियम संवर्धन नहीं कर रहा है। वह पश्चिमी देशों को यह संकेत देने की कोशिश कर रहा है कि वह अपने परमाणु कार्यक्रम पर संभावित बातचीत के लिए तैयार है लेकिन संभावना जताई जा रही है कि नेतन्याहू तेहरान के खिलाफ फिर से संभावित सैन्य कार्रवाई करने की आवश्यकता पर ट्रंप के साथ चर्चा करेंगे। नेतन्याहू की यह यात्रा गाजा के लिहाज से भी एक अहम मोड़ पर हो रही है। ट्रंप अमेरिका की मध्यस्थता में इजराइल–हमास संघर्षविराम समझौता कराने की दिशा में नयी गति पैदा करना चाहते हैं। ट्रंप ने नेतन्याहू की मौजूदगी में कहा कि वह वार्ता के दूसरे चरण तक ''जल्द से जल्द'' पहुंचना चाहते हैं। हालांकि उन्होंने साथ ही कहा, ''लेकिन हमास को निरस्त्र करना होगा।'' ट्रंप से वार्ता से पहले नेतन्याहू ने अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रूबियो और रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से भी मुलाकात की।

सऊदी अरब ने यमन पर की बमबारी, यूएई से अलगाववादियों के लिए आए हथियारों को निशाना बनाया

सऊदी अरब ने यमन के बंदरगाह शहर मुकाला पर एक अलगाववादी संगठन के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से आई हथियारों की खेप को निशाना बनाकर बमबारी की। सऊदी अरब ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह हमला सऊदी अरब और यूएई समर्थित ''सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल' (एसटीसी) के बीच तनाव और बढ़ने का संकेत देता है। इससे रियाद और

अबू धाबी के रिश्तों में भी तनाव बढ़ने का संकेत मिलता है। यमन में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ एक दशक से जारी युद्ध में दोनों देश अलग–अलग पक्षों का समर्थन करते रहे हैं। सरकारी 'सऊदी प्रेस एजेंसी' की एक रिपोर्ट में जारी सेना के बयान के अनुसार, यह कार्रवाई तब की गई जब फुजैरा (यूएई के पूर्वी तट का एक बंदरगाह शहर) से पोत मुकाला पहुंचे। बयान में कहा गया, ''सुरक्षा एवं स्थिरता के लिए खतरा पैदा करने वाले इन हथियारों से उत्पन्न खतरे को देखते हुए 'कोलिशन एयर फोर्सेस' ने आज सुबह एक सीमित सैन्य अभियान चलाया और अल–मुकाला बंदरगाह पर दो पोत से उतारे गए हथियारों तथा लड़ाकू वाहनों को निशाना बनाया।'' इस मामले में यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

नए साल पर तुर्किये को दहलाने की साजिश, पुलिस ने छापेमारी कर आईएस के 100 से ज्यादा संदिग्ध आतंकी पकड़े

अंकारा। तुर्किये पुलिस ने मंगलवार को राजधानी अंकारा और इस्तांबुल में बड़ा छापेमारी अभियान चलाकर खूंखार आतंकी सगंठन इस्लामिक स्टेट के 100 से ज्यादा संदिग्ध आतंकियों को हिरासत में लिया है। गौरतलब है कि तुर्किये के सुरक्षाबलों को सूचना मिली है कि आईएस के आतंकी नए साल के जश्न के मौके पर तुर्किये को दहलाने की साजिश रच रहे हैं। यही वजह है कि तुर्किये की सरकार और सुरक्षाबल चौंकन्ने हैं और आतंक के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। यह छापेमारी की कार्रवाई तुर्किये के उत्तर पश्चिमी प्रांत में एक दिन पहले हुई मुठभेड़ के बाद हुई है, जिसमें तुर्किये पुलिस के तीन अधिकारी और इस्लामिक स्टेट के छह आतंकी मारे गए थे। यह मुठभेड़ उस वक्त हुआ, जब पुलिस ने एक घर में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर छापा मारा। इस दौरान हुई मुठभेड़ में आठ अन्य पुलिस अधिकारी और एक नाइट गार्ड भी घायल हुए हैं। दरअसल तुर्किये सरकार को आईएस आतंकियों द्वारा क्रिसमस और नए साल के जश्न को निशाना बनाने की रिपोर्ट्स मिलीं थी, जिसके बाद तुर्किये की सरकार ने आईएस के खिलाफ कई ऑपरेशन शुरू किए हैं। इस्तांबुल के मुख्य अभियोजक कार्यालय ने बताया कि मंगलवार को पुलिस ने इस्तांबुल और दो अन्य प्रांतों में 114 ठिकानों पर एक साथ छापे मारे और 110 संदिग्धों को हिरासत में लिया। इसमें कहा गया है कि कुछ लोग उन आतंकवादियों से जुड़े थे जिन्होंने यालोवा में पुलिस पर गोलियां चलाई थीं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर. 9190052 39332

.919450482227

नेतन्याहू से मुलाकात के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने दोहराया भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान भारत–पाकिस्तान संघर्ष को समाप्त कराने के अपने दावे को फिर दोहराया। सोमवार को फ्लोरिडा के पाम बीच स्थित मार–ए–लागो में नेतन्याहू और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक शुरू करते हुए ट्रंप ने कहा कि 'व्हाइट हाउस' (अमेरिका के राष्ट्रपति का आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में अपने दूसरे कार्यकाल के पहले वर्ष में उन्होंने अब तक आठ युद्ध रुकवाए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच युद्ध रुकवाया, दोनों देशों को शुल्क लगाने की धमकी दी, साथ ही अन्य संघर्षों को भी समाप्त किया, लेकिन इसका श्रेय उन्हें नहीं दिया जाता। इसके बाद ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष रुकवाने के दावे को भी दोहराया। ट्रंप ने कहा, "आठ युद्धों का निपटारा किया... अजरबैजान को लेकर (रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन ने मुझसे कहा, मुझे विश्वास नहीं हो रहा कि आपने वह युद्ध सुलझा दिया क्योंकि मैं 10 साल से कोशिश कर रहा था।' और मैंने सचमुच इसे एक ही दिन में सुलझा दिया।'' अमेरिका के राष्ट्रपति ने कहा, ''वे व्यापार करते हैं। मैंने कहा हम आपको व्यापार से अलग कर देंगे। अब कोई व्यापार नहीं। दोनों से... फिर मैंने 200 प्रतिशत शुल्क लगा दिया... अगले दिन उन्होंने फोन किया और 35 साल की लड़ाई रोक दी।'' ट्रंप के साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ, अमेरिकी राष्ट्रपति के दामाद जेरेड कुशनर और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे। ट्रंप ने नेतन्याहू के साथ अपनी द्विपक्षीय बैठक से पहले कहा, ''क्या इसका श्रेय मुझे मिलता है? नहीं। मैंने आठ युद्ध रुकवाए। भारत और पाकिस्तान के बारे में क्या ख्याल है... तो मैंने उनमें से आठ (युद्ध) रुकवाए और मैं आपको बाकी के बारे में फिर कभी बताऊंगा।'' ट्रंप ने 10 मई को सोशल मीडिया पर घोषणा की थी कि वाशिंगटन की मध्यस्थता में रातभर बातचीत के बाद भारत और पाकिस्तान पूर्ण और तत्काल युद्धविराम'' पर सहमत हो गएहैं। उसके बाद से ट्रंप 70 से अधिक बार यह दावा कर चुके हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष समाप्त कराया है। हालांकि भारत ने किसी भी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप से लगातार इनकार किया है। भारत ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाया गया। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम हमले के जवाब में की गई थी। पहलगाम में आतंकवादी हमले में 26 नागरिक मारे गए थे। भारत और पाकिस्तान 10 मई को सैन्य टकराव समाप्त करने पर राजी हुए थे।

बांग्लादेश की राजनीति का एक युग समाप्त! पूर्व पीएम खालिदा जिया का 80 की उम्र में निधन

शेख हसीना से दशकों चली थी प्रतिद्वंद्विता

बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (ठछच) की चेयरपर्सन और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया का मंगलवार तड़के 80 साल की उम्र में निधन हो गया। डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, दशकों तक देश की राजनीति में एक प्रमुख हस्ती रहीं जिया, शेख हसीना की मुख्य प्रतिद्वंद्वी थीं, जो 2024 में देशव्यापी अशांति के बीच भागने पर मजबूर होने के बाद अब नई दिल्ली में निर्वासन में रह रही हैं। खालिदा पिछले कई महीनों से गंभीर हालत में थीं और ढाका के एवरकेयर अस्पताल के इंटेंसिव केयर यूनिट में उनका इलाज चल रहा था। खालिदा जिया और शेख हसीना के बीच दशकों चली प्रतिद्वंद्विता ने एक पीढ़ी तक बांग्लादेश की राजनीति को परिभाषित किया। जिया पर कई भ्रष्टाचार के मामले दर्ज थे, जिन्हें उन्होंने राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया था। जनवरी 2025 में उच्चतम न्यायालय ने उनके खिलाफ अंतिम भ्रष्टाचार मामले में उन्हें बरी कर दिया था, जिससे फरवरी में होने वाले चुनाव में उनके उम्मीदवार बनने का रास्ता साफ हो गया था। वह ब्रिटेन में इलाज कराने के बाद मई में स्वदेश लौटी थीं। इससे पहले जनवरी की शुरुआत में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने उन्हें विदेश यात्रा की अनुमति दी थी, जबकि शेख हसीना की सरकार ने इससे पहले कम से कम 18 बार उनके अनुरोधों को खारिज किया था। पिछले कई दिनों से जिया की तबियत बहुत खराब थी। देर रात आई खबरों में उनके चिकित्सकों के हवाले से बताया गया था कि जिया की हालत और बिगड़ जाने की वजह से उन्हें राजधानी के एक विशेष निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। निजी समाचार एजेंसी यूएनबी के अनुसार, मेडिकल बोर्ड के सदस्य जियाउल हक ने कहा था, "खालिदा जिया की हालत बेहद गंभीर है।" इस दौरान उनके बड़े बेटे और बीएनपी के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान सहित परिवार के करीबी सदस्य ढाका के एवरकेयर अस्पताल में उनसे मिलने पहुंच गए थे। जियाउल हक के अनुसार, जिया को "जीवन रक्षक प्रणाली" पर रखा गया था और उन्हें नियमित रूप से किडनी डायलिसिस की जरूरत थी। उन्होंने कहा कि डायलिसिस रोकते ही उनकी समस्या बढ़ जाती थी। खालिदा जिया का विवाह देश के पूर्व राष्ट्रपति जियाउर रहमान से हुआ था, जिनकी 1981 में एक सैन्य तख्तापलट के दौरान हत्या कर दी गई थी। इसके बाद जिया ने सैन्य तानाशाही के खिलाफ जन आंदोलन खड़ा करने में अहम भूमिका निभाई, जिसके परिणामस्वरूप 1990 में तानाशाही का पतन हुआ। जिया ने 1991 में पहली बार प्रधानमंत्री पद संभाला और 2001 से एक बार फिर इस पद पर रहीं। उन चुनावों में और इसके बाद कई चुनावों में उनकी मुख्य प्रतिद्वंद्वी शेख हसीना रहीं।

बांग्लादेश में एक और हिंदू शख्स के साथ बर्बरता, बजेंद्र बिस्वास की गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में एक कपड़ा फैक्टरी के भीतर सोमवार शाम एक 40 वर्षीय हिंदू मजदूर की गोली लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, यह घटना सहकर्मी द्वारा कथित तौर पर गलती से चली गोली के कारण हुई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फैक्टरी परिसर में काम के दौरान हथियार से अचानक फायर हो गया, जिसकी चपेट में बजेंद्र विस्वास आ गया। घायल अवस्था में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह घटना मयमनसिंह के भालुका उपजिला के मेहराबाड़ी इलाके में सोमवार, 29 दिसंबर की शाम करीब 6रू45 बजे मेहराबारी इलाके में स्थित सुल्ताना स्वेटर्स लिमिटेड में हुई। पीड़ित बजेंद्र बिस्वास, फैक्टरी की सुरक्षा के लिए तैनात एक अंसार सदस्य थे। वह सिलहट सदर के कादिरपुर गांव के रहने वाले थे। पुलिस ने बताया कि गोली मारने का आरोपी 22 साल का नोमान मियां को गिरफ्तार कर लिया गया है। बता दें कि इससे पहले मयमनसिंह जिले में ही दीपू चंद्र दास की पीट–पीटकर हत्या कर दी गई थी। बांग्लादेश में हाल ही अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। पुलिस के मुताबिक, बजेंद्र बिस्वास और नोमान मिया, दोनों फैक्टरी परिसर के भीतर बने अंसार बैरक में तैनात थे। सोमवार को नोमान ने मजाक में बजेंद्र के उपर गन तान दी। इसी दौरान अचानक गोली चल गई, जो बजेंद्र की बाएं कंधे में जा लगी। उन्हें तुरंत भालुका उपजिला स्वास्थ्य परिसर ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इससे पहले शनिवार को राजबारी जिले में अमृत मंडल नाम के हिंदू शख्स को पीट–पीट कर मार डाला गया था। 18 दिसंबर को इसी भालुका इलाके में दीपू चंद्र दास नामक हिंदू युवक को कथित तौर पर पीट–पीटकर, निर्वस्त्र कर और जिंदा जलाकर मार डालने की घटना सामने आई थी।

चलो तुरंत वापस निकलो...बांग्लादेश के 8 गैस टैंकर भारत में रोके गए

त्रिपुरा की धरती पर आठ बांग्लादेशी गैस टैंकर्स को रोक दिया गया और फिर गूंजा बांग्लादेशी वापस जाओ। यह भारत के धैर्य का टूटना, जनता का गुस्सा और एक साफ संदेश उन लोगों को जो भारत को अनाप शनाप बकते हैं। सच्चाई यही है आज की कि बांग्लादेश में हर रोज जो कुछ हो रहा वो सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक दिख भी रहा कि भारत विरोधी लोग कैसे बांग्लादेश की सड़कों पर उतरे हैं। लेकिन इनका इलाज भारत बखूबी कर रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना की अगुवाई वाली जो लोकतांत्रिक सरकार थी उसके हटने के बाद जो हुआ वो सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं था दोस्तों। वो था कट्टरपंथियों का आगमन। कट्टरपंथियों का खुला न्योता मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के आते ही जिन ताकतों ने गले लगाया बांग्लादेश को वो थे चीन पाकिस्तान और तीसरे कट्टरपंथी संगठन। वे सभी भारत विरोधी एजेंडे से जुड़े हुए हैं। जैसा कि दुनिया जानती है। यह बात हम इसलिए कह रहे हैं क्योंकि जरा यूनुस की चीन की यात्रा याद

कर लीजिए। जब युनुस ने सेवन सिस्टर्स यानी कि जो पूर्वोत्तर के सात राज्य हैं उनका उल्लेख किया और उसी दौरान उन्होंने बांग्लादेश को सेवन सिस्टर्स का गार्डियन बता डाला। सबसे बड़ी बात भारत की क्षेत्रीय अखंडता पर सबसे बड़े सवाल उसी दौरान खड़े हो गए जिस दौरान यूनुस चीन में थे। इसी बीच पाकिस्तानी सेना आईएसआई के टॉप कमांडर्स ढाका में लगातार दौरे पर दौरे कर रहे थे और यह सब केवल संयोग नहीं है। भारत ने उसी वक्त ये अच्छे से समझ लिया कि बांग्लादेश की धरती अब भारत विरोधी गतिविधियों का मंच बनाई जा रही है। अब इन्हीं सबको देखते हुए जो भारत का राज्य है त्रिपुरा भारत का सबसे शांत राज्य है। जहां लोग राजनीति से कोसों दूर रहते हैं। लेकिन जब बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले हुए, भारत विरोधी बयानबाजी सड़कों पर हुई और धमकियों की खबरें आने लगी तो जनता चुप नहीं बैठी। त्रिपुरा के जीरानिया उपखंड और बोधक जंग नगर क्षेत्र में बांग्लादेश से आ रहे आठ एक दो नहीं आठ गैस बुलेट टैंकर्स को लोगों ने रोक दिया। स्थानीय सूत्रों और मौके पर मौजूद प्रदर्शनकारियों के अनुसार, बांग्लादेशी वाहनों को भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने से रोकने के लिए लगाए गए नाकाबंदी के तहत लगभग आठ वाहनों को रोका गया। प्रदर्शनकारियों ने हालिया राजनीतिक तनाव, कथित भारत–विरोधी बयान और बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए हमलों को विरोध प्रदर्शन का मुख्य कारण बताया। एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि मौजूदा हालात में बांग्लादेशी वाहनों को भारत में प्रवेश करने देना अस्वीकार्य है, और आरोप लगाया कि सीमा पार अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है। एक अन्य प्रदर्शनकारी ने दावा किया कि इस नाकाबंदी का उद्देश्य इन घटनाओं के खिलाफ कड़ा संदेश देना था।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।